धनबाद, गुरूवार
02 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 272
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्र निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका अहम : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर देशभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) समुदाय को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट भारत की आर्थिक यात्रा के लंबे समय से भरोसेमंद साझेदार रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता देश के आर्थिक विकास तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा पारदर्शिता और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की वित्तीय व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के प्रयास ऐसे आर्थिक वातावरण के निर्माण में सहायक हैं, जहां उद्योग-व्यवसाय फल-फूल सकें और सभी के लिए नए अवसरों का विस्तार हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में सीए समुदाय का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी सेवाएं भारत की आर्थिक मजबूती का आधार बनी हुई हैं।

असम के बराक में 13 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, छह तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी, (एजेंसी) : असम पुलिस ने बराक घाटी के श्रीभूमि और कछार जिलों में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान लगभग 13 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कहा कि मादक पदार्थ तस्करों का दावा था, यह कारोबार है, लेकिन असम पुलिस का स्पष्ट जवाब था, असम में नहीं।

पुलिस ने अभियान के दौरान 49,800 याबा टैबलेट और 535 ग्राम हेरोइन बरामद की। जब्त मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 13 करोड़ रुपये बताई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के बजाय सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर वैध आजीविका अपनाएं। उन्होंने राज्य सरकार के ₹असम अगेंस्ट ड्रग्स₹ अभियान के तहत नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नीट-पीजी 2026 परीक्षा 30 अगस्त को होगी, आवेदन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी) : आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने नीट-पीजी 2026 परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी है। देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) मोड में यह परीक्षा 30 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एक जुलाई शाम 5 बजे से शुरू होकर 21 जुलाई रात 11:55 बजे तक चलेगी।एनबीईएमएस के अनुसार परीक्षा से संबंधित पात्रता मानदंड, शुल्क संरचना, परीक्षा योजना और अन्य विस्तृत जानकारी सूचना बुलेटिन में उपलब्ध है। सूचना बुलेटिन 1 जुलाई को शाम 4 बजे से वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है।जारी कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थियों को उनके परीक्षा शहर की सूचना 11 अगस्त को दी जाएगी। वहीं, परीक्षा परिणाम 30 सितंबर तक घोषित किए जाने की संभावना है।बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे आवेदन करने से पहले सूचना बुलेटिन को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। आवेदन की अंतिम तिथि बीतने के बाद किसी भी माध्यम से आवेदन स्वीकार करने का अनुरोध नहीं माना जाएगा।एनबीईएमएस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस बार परीक्षा शहर या परीक्षा केंद्र का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उद्योग, व्यापार और निवेश पर झारखंड चैंबर प्रतिनिधिमंडल की चर्चा

राज्यस्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि बनने का दिया आमंत्रण

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार, निवेश और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को राज्य के औद्योगिक और व्यावसायिक माहौल से अवगत कराते हुए निवेश को प्रोत्साहन देने, व्यापारिक गतिविधियों को मजबूत करने तथा उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही एक

राज्यस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से उद्योगपति, व्यापारी, उद्यमी तथा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में राज्य के समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, उदयशंकर और रमेश कुमार चिनी, विनय अग्रवाल, पलामू चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर, कार्यकारिणी सदस्य फिराजुद्दीन तथा गुमला चेम्बर के सदस्य अमर प्रदीप सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जपान की प्रधानमंत्री आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं

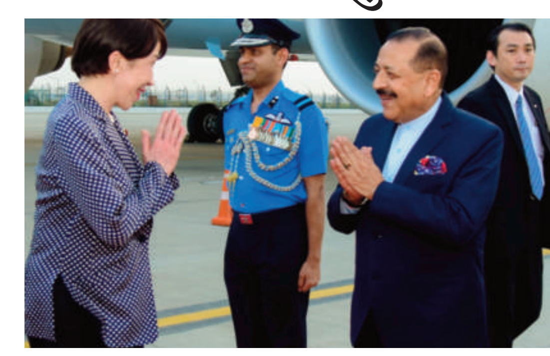

नई दिल्ली, (एजेंसी) : जपान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि यह दौरा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।प्रधानमंत्री ताकाइची का कल राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे हैदराबाद हाउस में परधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगी। वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच समझौतों के आधान प्रदान और प्रेस वक्तव्य का भी कार्यक्रम तय है। दोपहर में जपानी नेता बिजनेस फोरम में भाग लेंगी और अगले दिन सुबह उनकी वापसी होगी।विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा और सुदृढ़ीकरण करने के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की अगस्त 2025 में टोक्यो में आयोजित 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद हो रही है।

तमिलनाडु गैस रिसाव के बाद पश्चिमी सिंहभूम के 14 प्रवासी श्रमिक लौट रहे घर

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी) : तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में अमोनिया गैस रिसाव की घटना के बाद प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम के 14 प्रवासी श्रमिक अब सकुशल अपने घर लौट रहे हैं। जिला प्रशासन की त्वरित पहल और लगातार समन्वय के कारण सभी श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई है। प्रशासन ने उनके चक्रधरपुर पहुंचने से लेकर संबंधित गांवों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था की है।

जिला प्रशासन के अनुसार, सभी श्रमिक रेल मार्ग से पहले राउरकेला पहुंचेंगे और वहां से अगले दिन सुबह चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन आएंगे। स्टेशन पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में श्रमिकों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद उन्हें सरकारी वाहनों से उनके गांवों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि यात्रा के अंतिम चरण में भी उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बताया गया कि तिरुवल्लूर में गैस रिसाव की घटना के बाद वहां कार्यरत पश्चिमी सिंहभूम के श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया था। स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखते हुए श्रमिकों की स्थिति पर नजर रखी गई और उनकी सुरक्षित घर वापसी की पूरी योजना तैयार की गई।

बुधवार को जारी बयान में जिला प्रशासन ने कहा कि श्रमिकों के जिले में पहुंचने के बाद उनकी आवश्यक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इधर, अपने परिजनों की सुरक्षित वापसी की खबर मिलने के बाद श्रमिकों के परिवारों में खुशी और राहत का माहौल है। लंबे इंतजार के बाद अपने प्रियजनों के सकुशल लौटने की सूचना ने परिवारों की चिंता दूर कर दी है।

सांसद ढुलू महतो ने प्रिंस खान के सहयोग से दुबई में स्थापित किया साम्राज्य: अरूप

आगामी चुनाव के बाद भाग जाएंगे दुबई

धनबाद। सांसद ढुलू महतो का भगोड़ा अपराधी प्रिंस खान के साथ नाम जुड़ता रहा है। सांसद ढुलू महतो ने प्रिंस खान के सहयोग से दुबई में अपना पूरा साम्राज्य स्थापित कर लिया है। 2029 के चुनाव के बाद ढुलू महतो दुबई भाग जाएंगे। हम सरकार से अपील करते हैं कि सांसद ढुलू महतो दुबई भाग जाएं, उससे पूर्व उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया जाए। उक्त बातें निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बुधवार को कही। विधायक धनबाद सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। विधायक अरूप चटर्जी पर एक दिन पहले सांसद ढुलू महतो में कई व्यक्तिगत आरोप लगाए थे। सांसद ने विधायक अरूप को टकला कछुआ तक कह डाला था। उसके जवाब में विधायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सांसद पर कई आरोप लगाए। विधायक ने सांसद पर लगे सभी आरोपों की जांच कराने की मांग की, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि भाकपा माले संसद के आगामी सत्र में धनबाद के कोयला

कारोबार की सीबीआई जांच की मांग करेगी।

अरूप चटर्जी ने कहा कि देश में कई ऐसे महान और दिग्गज हुए हैं जिनके सिर पर बाल नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान देकर सांसद सिर्फ उनका नहीं बल्कि उन तमाम लोगों का अपमान कर रहे हैं।

अरूप चटर्जी ने कहा कि भाजपा के कई नेताओं के भी सिर पर बाल नहीं हैं, ऐसे में इस तरह की टिप्पणी करना गलत है। उन्होंने सांसद को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें दम है तो धनबाद में चल रहे कोयला कारोबार और कथित अवैध वसूली की जांच के लिए संसद में आवाज उठाएं। अगर वह भी किसी तरह के कोयला चोरी में शामिल पाए जाते हैं तो सबसे पहले उनके खिलाफ जांच होनी चाहिए।

निरसा विधायक ने सांसद की ओर से उनके चाचा के साथ मारपीट के आरोपों पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके चाचा खुद यहां मौजूद हैं और उनके साथ कभी ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

अरूप चटर्जी ने बेटी को लेकर दिए गए बयान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ बेटियों को लेकर इस तरह की टिप्पणी की जाती है। उन्होंने कहा कि एक बेटा जो कोयला चोरी करता है, कपूत है, उससे अच्छी तो बेटियां है जो शिक्षा हासिल कर घर देश का नाम रौशन करती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी दो बेटियां हैं और दोनों उनकी शान हैं।

विधायक ने गोविंदपुर जमीन विवाद को लेकर कहा कि वह सरकारी जमीन बचाने गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त जमीन पर बड़े कारोबारियों का पैसा लगा है और सांसद वहां दलाली कर रहे हैं। उन्होंने सांसद पर कई पुराने मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि जो खुद आरोपों से घिरे हैं, उन्हें दूसरों पर सवाल उठाने से पहले खुद को देखना चाहिए।

उन्होंने सांसद पर आरोप लगाया कि बीसीसीएल की कार्रवाई के दौरान आउटसोर्सिंग कंपनियों को प्रभावित किया जाता है और अधिकारियों पर दबाव बनाया जाता है। वहीं राज्यसभा चुनाव के दौरान पैसे लेने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि इसका जवाब भाजपा नेतृत्व को देना चाहिए।

इस दौरान अरूप चटर्जी के चाचा ने भी सांसद के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें धनबाद में गुरुदास चटर्जी ने बसाया था। वहीं भूमिहार समाज के कुछ लोगों ने भी सांसद के बयान पर नाराजगी जताते हुए उन्हें समाज विरोधी बताया।

गृह मंत्री शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित उच्चस्तरीय समिति से जल्द सिफारिशें देने को कहा

नई दिल्ली, 01 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित हाई लेवल कमिटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज से जल्द से जल्द अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। समिति ने बुधवार को यहां गृह मंत्री के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट कर अपनी कार्ययोजना की जानकारी दी।

बैठक के दौरान गृह मंत्री को बताया गया कि जनसांख्यिकीय बदलावों से संबंधित जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए समिति विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेगी। इसके साथ ही समिति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ भी विचार-विमर्श करेगी ताकि जनसंख्या में हो रहे बदलावों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर फीडबैक प्राप्त किया जा सके।

समिति ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दौरे अधिक प्रभावी और संवादात्मक बनाने के उद्देश्य से एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आवश्यक सूचनाएं पहले ही प्राप्त

की जाएंगी, जिससे अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और तथ्यपरक बनाया जा सके।

गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए गृह सचिव को निर्देश दिए कि समिति के दैनिक कार्यों और उसके दौरों के दौरान हरसंभव प्रशासनिक एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समिति से अपने अध्ययन को शीघ्र पूरा कर सरकार को जल्द से जल्द सिफारिशें सौंपने का सुझाव दिया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को अपने संबोधन में 'हाई-पावर्ड डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा की थी। इसके तहत केंद्र सरकार ने अवैध प्रवास तथा अन्य असामान्य कारणों से देश में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए इस उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर समिति के अध्यक्ष हैं। समिति में जनगणना आयुक्त के अलावा पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) की सदस्य डॉ. शमिका रवि सदस्य के रूप में शामिल हैं।

समिति देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का वैज्ञानिक अध्ययन करेगी, उनके कारणों का विश्लेषण करेगी तथा उनसे निपटने के लिए आवश्यक नीतिगत, विधायी और प्रशासनिक उपायों पर अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपेगी।

सब रजिस्ट्रार के मोबाइल में बने वीडियो से पहचाने गए आरोपित, 07 गिरफ्तार

रामगढ़, (एजेंसी) : रामगढ़ और हजारीबाग जिले के सीमा पर स्थित रबोध गांव निवासी सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्याकांड में पुलिस ने 07 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बुधवार को एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने इस हत्याकांड पर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और बताया कि सभी आठ हत्यारे मोबाइल कैमरे में कैद हुए हैं। गिरिडीह जिले के सब रजिस्ट्रार रहे बालेश्वर पटेल ने भी अपने मोबाइल से हमले के दौरान वीडियो बनाया था। जिसमें यह स्पष्ट है कि घटनास्थल पर कुल 08 लोग मौजूद थे। जिनमें 04 महिलाएं और 04 पुरुष शामिल हैं। उन लोगों ने ईंट- पत्थर से पहले हमला किया। इसके बाद लाठी-डंडे से पिटाई की। सारे हमलावर के चेहरे मोबाइल कैमरे में ही कैद है।

एसपी ने बताया कि इस हत्याकांड में सभी 08 लोग शामिल थे, जिनमें से सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में शामिल संतोष कुमार साव उर्फ. पप्पम, रामू साव उर्फ ज्ञानी, शकुंतला देवी, रूबी कुमारी, विनय कुमार, पूजा कुमारी और लक्ष्मी देवी उर्फ डोली कुमारी को गिरफ्तारकर लिया गया है। एक हत्यारा विष्णु अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

वायरल वीडियो में यह साफ दिखा

कि जमीन विवाद के कारण सभी लोगों ने मिलकर सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या की। वीडियो में किसने ईंट और पत्थर चलाए और किसने लाठी चलाई, सबकुछ रिकॉर्ड हुआ है। विनय कुमार ने बालेश्वर पटेल के सिर पर ईंट से हमला किया था और इसके बाद लाठी-डंडे से इतना मारा कि उनकी मौत हो गई।

एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि हत्याकांड की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एसआईटी) बनाई गई है। इस टीम का नेतृत्व रामगढ़ एसडीपीओ आलोक रंजन कर रहे हैं। साथ ही इस मामले में दर्ज कांड संख्या 151/26 का अनुसंधानकर्ता मांडू थाना प्रभारी सदानंद को बनाया गया है। जांच में किसी भी तरह की कमी न रहे इसके लिए पुलिस प्रशासन पहले से ही काफी सतर्कता बरत रहा है। इस जगह में हत्या के मामले में जल्द ही चार्जशीट सौंपा जाएगा और अपराधियों को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। एसपी ने बताया कि इस कांड में कुल 10 लोग अभियुक्त हैं 08 लोग मौका-ए-वारदात पर मौजूद थे। प्राथमिकी में हेमंत पांडे और दिनेश्वर साव का भी नाम मौजूद है, जिन पर षड्यंत्र रचने का आरोप है। वे लोग घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। उनकी इस वारदात में क्या संलिप्तता रही है, इसकी जांच चल रही है।

एसपी ने बताया कि बालेश्वर पटेल ने बलसगरा, हुवाग सियारीटांड़ में दो जमीन खरीदी थी। एक 40 डेसिमल और दूसरा 11 डेसिमल। 11 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सब रजिस्टार बालेश्वर पटेल ने महेश प्रसाद से जमीन रजिस्ट्री कराई थी। जिस जमीन को उन्होंने रजिस्ट्री कराई थी उसी जमीन पर रामू साव उर्फ ज्ञानी अपना मकान बना कर रह रहा था। जमीन पर अवैध कब्जे की वजह से यह विवाद शुरू हुआ और बेहद दुखद घटना घटी।

संक्षिप्त खबरें

जामताड़ा में ब्राउन शुगर के साथ टोटो चालक गिरफ्तार, चार पुड़िया बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा पुलिस ने जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर के साथ एक टोटो चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चार पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वसीम राजा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। सूचना मिली थी कि एक टोटो चालक बाहरी क्षेत्रों से ब्राउन शुगर लाकर जामताड़ा में इसकी बिक्री कर रहा है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी को ब्राउन शुगर की बिक्री करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान जामताड़ा थाना क्षेत्र के कायस्थपाड़ा निवासी चंदन मंडल के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार आरोपी टोटो चलाने के साथ जिले के युवाओं तक नशीले पदार्थों की सप्लाई करता था, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो।इस मामले में जामताड़ा थाना कांड संख्या 87/26 दर्ज किया गया है।थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि ब्राउन शुगर की आपूर्ति कहां से हो रही थी और इस अवैध कारोबार में उसके साथ अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।जांच के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

जेएसएलपीएस महिला समूह के आम बिक्री स्टॉल का जिला परिषद अध्यक्ष व बीडीओ ने किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नोवामुंडी बाजार चौक स्थित ओवरब्रिज के पिलर संख्या-17 के समीप जेएसएलपीएस महिला समूह द्वारा संचालित आम बिक्री स्टॉल का आज जिला परिषद अध्यक्ष एवं बीडीओ पप्पू रजक ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्टॉल के संचालन, बिक्री व्यवस्था एवं महिला समूह की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान दोनों ने स्टॉल से आम की खरीदारी कर महिला समूह का उत्साहवर्धन किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की।जिला परिषद अध्यक्ष एवं बीडीओ पप्पू रजक ने कहा कि जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि समूह के संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे सीधे संपर्क कर सकते हैं, प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा।मौके पर बीपीएम रूपेश कुमार, समूह की दीदियां तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला समूह की सदस्यों ने प्रशासन के इस प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे उनका मनोबल और मजबूत हुआ है। वे आगे भी अपने व्यवसाय को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेंगी।यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मधुपुर में वज्रपात से दो की मौत, एक घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : मधुपुर थाना क्षेत्र के राजाभिठा गांव स्थित एक मवेशी खटाल में दोपहर को वज्रपात होने से दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीसरा व्यक्ति घायल हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि राजाभिठा निवासी टुनटुन यादव (28), उसका बहनोई बिहार के बक्सर जिले के बडका राजपुरा निवासी अशोक यादव (35) व अशोक का मामा बक्सर के बर्मा निवासी उपेंद्र यादव(55) मवेशी को चारा देने के बाद खटाल में बैठा हुआ था।इसी क्रम में दोपहर 3:30 बजे अचानक बारिश शुरू हो गया।इसके बाद तीनों ऐलबेस्टर के बने रूम में बैठ गये और आपस में बातचीत कर रहे थे।इसी क्रम में कमरे में वज्रपात हुआ, वज्रपात से घटनास्थल पर ही टुनटुन व उपेंद्र की मौत हो गई।जबकि अशोक बुरी तरह जख्मी हो गया।आसपास के लोगों की सहायता से तीनों को अनुमंडलीय अस्पताल मधुपुर लाया गया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद दो को मृत घोषित कर दिया। जबकि अशोक का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मधुपुर थाना के इंस्पेक्टर इंचार्ज राजीव कुमार समेत अन्य अधिकारी पहुंचे और मामले की छानबीन कर रहे हैं। बताते चलें कि उपेंद्र यादव ने बक्सर से मधुपुर आकर एक माह पूर्व ही दुधारू पशुओं का नया खटाल खोला था और व्यवसाय कर रहे थे।इधर घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

कोडरमा घाटी में सड़क दुर्घटना, तीन घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत नौवामाइल घाटी के समीप बुधवार दोपहर को हुए सड़क हादसे में कार सवार तीन लोग घायल हो गए।घायलों की पहचान नूरसराय नालंदा बिहार निवासी विमला देवी व उनके पति रामप्रवेश प्रसाद तथा कार चालक संजय प्रसाद के रूप में हुई।घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक उक्त दम्पति कार में सवार होकर बिहारशरीफ से बोकारो जा रहे थे।घटनास्थल पहुंचते ही पीछे से चली आ रही ट्रक ने टक्कर मार दिया, जिससे कार सवार तीनों घायल हो गए।वहीं कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद पीछे से चली आ रही एक अन्य कार में सवार लोगों ने तीनों घायलों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला और इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

एसआईआर के तहत फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, प्रगति नहीं दिखी तो कार्रवाई तय :उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : गहन विशेष पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची अद्यतन कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने स्पष्ट कहा कि इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म के वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बुधवार को उपायुक्त श्री शेखावत ने अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसआईआर के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में हुसैनाबाद, विश्रामपुर एवं डालटनगंज विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े, जबकि पांकी एवं छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उपायुक्त कार्यालय कक्ष से बैठक में शामिल हुए।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एक-एक कर सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों से इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पाया कि फॉर्म वितरण तथा डिजिटाइजेशन दोनों कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एक दिन की प्रगति भी चिंताजनक है और इस महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में इतनी धीमी गति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।उपायुक्त ने कहा कि 30 जून से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। फॉर्म वितरण के बाद उसे डिजिटाइज कर बीएलओ ऐप में अद्यतन किया जाना है। यह निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसकी निगरानी राज्य स्तर से लगातार की जा रही है। ऐसे में सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।उन्होंने सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन शाम 5 बजे बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करें तथा फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता के घर तक इन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचना चाहिए और निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी फॉर्मों का डिजिटाइजेशन भी पूरा होना चाहिए।उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एसआईआर के तहत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता अथवा कार्य में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंटरमीडिएट एवं स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य परीक्षा का औपबंधिक उत्तर कुंजी जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड इंटरमीडिएट एवं स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के अभ्यर्थियों का उत्तर पत्रक व औपबंधिक उत्तर कुंजी प्रकाशित की गयी है।झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की वेबसाइट पर प्रकाशित उक्त औपबंधिक उत्तर कुंजी के विरूद्ध आपत्ति दर्ज करने हेतु लिंक आयोग की बेबसाइट पर प्रकाशित की गयी है।आयोग के परीक्षा नियंत्रक के हस्ताक्षर से जारी सूचना में कहा गया है कि सात जुलाई की मध्यरात्रि तक अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक एवं पासवर्ड प्रविष्ट कर ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।उक्त तिथि के बाद अभ्यर्थियों द्वारा किया गया दावा मान्य नहीं होगा। उक्त उत्तर कुंजी के विरुद्ध आपत्ति केवल ऑनलाइन ही मान्य होगा।किसी अन्य माध्यम से प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थियों को निर्देश गया है कि वे आयोग की वेबसाइट को नियमित अंतराल में देखें।उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षा सीबीटी मोड में 22 जून से लेकर 25 जून तक आयोजित की गयी थी।इस परीक्षा के जरिए प्राथमिक (कक्षा एक से पांच) और उच्च प्राथमिक (कक्षा छह से आठ) स्कूलों के लिए 3,451 विशेष शिक्षा शिक्षकों की नियुक्ति की जानी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने तिमाही में कबाड़ बेचकर कमाई की 148.54 करोड़ रुपये, कबाड़ से रिकॉड कमाई करने वाले देश के 18 जोन में दपू रेलवे का दूसरा स्थान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : दक्षिण पूर्व रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 (अप्रैल से जून) पहली तिमाही में कबाड़ (स्क्रैप) से 148.54 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कमाई है।कबाड़ से रिकॉर्ड कमाई करने वाले भारतीय रेल के 18 जोन में दपू रेलवे जोन दूसरे नंबर पर है।दपू रेलवे ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की स्क्रैप बिक्री से 21.24 फीसदी अधिक है।साथ ही चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के लिये तय लक्ष्य से 65.04 फीसदी अधिक है।यह अब तक की सबसे अधिक स्क्रैप बिक्री करने की बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दपू रेलवे ने कबाड़ से सर्वाधिक कमाई करने के अलावे सरकार के स्वच्छ भारत मिशन में अहम योगदान दे रहा है। कबाड़ निपटान के कार्य को दपू रेलवे के महाप्रबंधक एके जैन के दूरदर्शी नेतृत्व में पूरा किया गया है। दपू रेलवे में अक्टूबर 2026 तक जीरो स्क्रैप मिशन के लक्ष्य पर लगातार जोर दे रहे हैं।मालूम रहे कि जीरो स्क्रैप मिशन के तहत दपू रेलवे के स्टोर्स विभाग ने अलग-अलग विभागों के बीच तालमेल कर जोन स्तर पर मैपिंग व सफाई का बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत रेलखंडों, डिपो, वर्कशॉप, शेड व रेलवे के दूसरे ठिकानों पर जमा स्क्रैप की पहचान कर हटाया जा रहा है। दपू रेलवे द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026-27 के पहले तिमाही में दपू रेलवे ने 22,398 मिलियन टन लौह कबाड़(फेरस स्क्रैप), 440 मिलियन टन नॉन फेरस स्क्रैप, 42 कोच, 306 वैगन व 2963 मिलियन टन अन्य बेकार समान का निपटान किया गया।

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु 15 दिवसीय डिजिटल जागरूकता अभियान का शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक खेती एवं कृषि विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बुधवार को समाहरणालय परिसर से तीन डिजिटल कृषि जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह 15 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान जिले के सभी प्रखंडों एवं ग्राम पंचायतों में संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जागरूकता रथ पूर्व निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार पंचायतों का भ्रमण करेंगे तथा ऑडियो-वीडियो एवं डिजिटल माध्यमों के जरिए किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, फसल विविधीकरण, जल

संरक्षण, कृषि यंत्रीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती सहित विभिन्न कृषि गतिविधियों की जानकारी देंगे।इस अवसर पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य किसानों तक कृषि एवं इससे संबंधित विभागों की योजनाओं की जानकारी सरल और प्रभावी तरीके से पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक किसान सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। उन्होंने किसानों से अपील की कि जब जागरूकता रथ उनके पंचायत क्षेत्र में पहुंचे तो वे सक्रिय रूप से इसमें भाग लें तथा कृषि विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें।अभियान के दौरान प्रत्येक पंचायत में किसान संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें कृषि विशेषज्ञ एवं विभागीय अधिकारी किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य पालन तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं तकनीकी सहायता से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा,जिला मत्स्य पदाधिकारी,जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जेनरल स्टोर में सरसों तेल की रिपैकेजिंग का खुलासा, फूड सेफ्टी विभाग ने की छापेमारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर गांगी जमुनी स्थित एक जेनरल स्टोर में बुधवार को फूड सेफ्टी विभाग ने सरसों तेल की रिपैकेजिंग की सूचना पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दुकान में अफरा-तफरी मच गयी।अधिकारियों ने मौके से सरसों तेल का नमूना संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है।जांच रिपोर्ट आने के बाद विभाग द्वारा नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जायेगी। बताया जाता है कि गांगी जमुनी स्थित आदर्श राज जेनरल स्टोर में बड़े पैमाने पर सरसों तेल की रिपैकेजिंग किये जाने की सूचना फूड सेफ्टी विभाग को मिली थी। सूचना के आधार पर फूड सेफ्टी ऑफिसर डेरिक तिग्गा एवं लुकेश रब्बानी, रजरप्पा थाना के एसआई रंजीत महतो, अनिल सिंह और अशोक कुमार पुलिस बल के साथ दुकान पहुंचे और निरीक्षण किया।अधिकारियों को देखते ही दुकान में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोदाम में रखे तेल के कार्टूनों और पैकेटों की जांच की।फूड सेफ्टी ऑफिसर श्री तिग्गा ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा पाया गया कि बड़े पैक से तेल निकालकर दूसरे पैकेटों में भरने का

कार्य किया जा रहा था। मौके से तेल का नमूना लेकर लैब जांच के लिए भेजा गया है।जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। गौरतलब हो कि पिछले दिनों पलामू में मिलावटी तेल के सेवन से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गयी थी।श्री तिग्गा ने बताया कि प्रतिष्ठान के पास फूड सेफ्टी विभाग का लाइसेंस नहीं है। नोटिस जारी कर 30 दिनों के भीतर लाइसेंस बनवाने का निर्देश दिया गया है।निर्धारित समय के भीतर लाइसेंस नहीं लेने पर जुमार्ना सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जायेगी।निरीक्षण के दौरान दुकान में रिपैकेजिंग मशीन तथा बड़ी मात्रा में तेल और अन्य खाद्य सामग्री के पैकेट भी मिले, जिसकी जांच की जा रही है।फूड सेफ्टी ऑफिसर डेरिक तिग्गा ने दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि फूड लाइसेंस बनवाने के नाम पर सक्रिय बिचौलियों के झांसे में न आये।उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि कुछ लोग प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) का प्रमाणपत्र देकर उसे ही फूड लाइसेंस बताकर दुकानदारों से पैसे वसूल रहे हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि फूड लाइसेंस केवल रामगढ़ सदर अस्पताल परिसर स्थित फूड एंड ड्रग भवन से जारी किया जाता है। दुकानदार सीधे विभाग से संपर्क कर लाइसेंस बनवाये।उन्होंने चेतावनी दी कि बिना वैध फूड लाइसेंस के खाद्य कारोबार करने पर पांच लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है।

एनटीपीसी माइनिंग और सीएमपीडीआई मिलकर विकसित करेंगे आधुनिक कोयला खनन तकनीक, तीन वर्षों के लिए हुआ समझौता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के बीच खनन परियोजनाओं के तकनीकी विकास और परामर्श सेवाओं को मजबूत करने के लिए तीन वर्षों का रणनीतिक समझौता (एमओयू) हुआ है।यह एमओयू 30 जून को सीएमपीडीआई मुख्यालय, रांची में हस्ताक्षरित किया गया। इसके तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग कायार्देश जारी किये जायेंगे।समझौते के तहत कोयला एवं खनिज परियोजनाओं में तकनीकी सहयोग दिया जायेगा।इसमें खनिज अन्वेषण, खदान संचालन, परियोजना प्रबंधन, सर्वे एवं जीआईएस, पर्यावरण प्रबंधन, खदान बंदी की योजना, कोयला बेनिफिसिएशन, प्रयोगशाला परीक्षण और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।इसके अलावा सतही एवं भूमिगत कोयला गैसीकरण से जुड़ी आधुनिक तकनीकों को अपनाने, फिजिबिलिटी स्टडी, पायलट परियोजनाओं के संचालन तथा वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त करने में भी सीएमपीडीआई तकनीकी परामर्श उपलब्ध करायेगा।इस साझेदारी का उद्देश्य एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की तकनीकी क्षमता को और मजबूत करना तथा उसके कोयला एवं खनिज संसाधनों का टिकाऊ, आत्मनिर्भर और आधुनिक तरीके से विकास सुनिश्चित करना है।एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभ्रत कुमार दास, सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह, सीएमपीडीआई के निदेशकगण तथा दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सभी अधिकारियों ने दीर्घकालिक सहयोग और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

पानी संकट पर एक मंच पर आए चार पंचायतों के लोग, समाधान के लिए प्रशासन से किया सीधा संवाद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई प्रखंड के बंदोलोहार पंचायत में पेयजल संकट को लेकर चार पंचायतों के ग्रामीणों ने साझा संवाद का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, जलसहियाओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लेकर क्षेत्र की पेयजल समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की तथा समाधान के लिए सामूहिक पहल पर बल दिया। संवाद के दौरान महिलाओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु चरण देवगम को मांगपत्र सौंपते हुए बंद पड़े सोलर जलमीनारों की मरम्मत, नए डीप बोरिंग की स्वीकृति तथा खराब चापाकलों की मरम्मत कराने की मांग की।विभिन्न पंचायतों से पहुंचीं जलसहियाओं ने भी अपने-अपने गांवों में पेयजल की स्थिति से अधिकारियों को अवगत कराया।महिलाओं ने बताया कि प्रतिदिन पानी लाने में एक से दो घंटे का समय लग जाता है. इससे बच्चों की पढ़ाई,

भोजन बनाने और अन्य घरेलू कार्य प्रभावित होते हैं। संवाद के दौरान महिला, युवा और बुजुर्गों ने पेयजल योजनाओं, जल संरक्षण और सरकारी व्यवस्था से जुड़े कई सवाल भी उठाए।प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु चरण देवगम ने कहा कि पानी जैसे महत्वपूर्ण विषय पर इस प्रकार का संवाद पहली बार आयोजित किया गया है।यह सामूहिक प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाना प्रशासन और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है।अपना अधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष महेश मींज तथा आदिवासी हो समाज महासभा के उपाध्यक्ष मनोज कुमार सोय ने कहा कि भूजल स्तर को बचाने और भविष्य में जल संकट से निपटने के लिए वर्षा जल संचयन एवं जल स्रोतों के संरक्षण पर सामूहिक प्रयास जरूरी है।कार्यक्रम में बाईडीह गांव के मुंडा राजमोहन गुदूवा, पुतुलपी गांव के मुंडा राजेंद्र बांदिया, मंगलवार पंचायत के उपमुखिया धीरज प्रधान, पंचायत समिति सदस्य राजेश हेंब्रम, डबुआ सोय, जीवन सोय, वीरा केरकेट्टा, वीर सिंह सिजुई, मानसिंह बांकीरा, जलसहिया मनसा गोपीन, लक्ष्मी सोय, प्यारी गागराई, पनमती हासदा, सालेन सोय, संध्या उगुरसांडी, सुनीता उगुरसांडी, मीना कुई, जींगी सामाड, सुरेंद्र सरदार समेत 10 गांवों के बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

धनबाद में साइबर गैंग का पदार्फाश, होटल से 9 साइबर अपराधी गिरफ्तार,50 हजार नगद, 12 मोबाइल, 17 एटीएम कार्ड समेत कई सामान बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित होटल न्यू हरि-इन के कमरा नंबर 103 और 108 में छापेमारी कर 9 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले कई सामान बरामद किए गए हैं।इस संबंध में डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव ने बुधवार को जानकारी देते हुए कहा कि गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के आशीष कुमार, मिथिलेश ठाकुर, मो. आबिद आलम, आशुतोष कुमार आनंद और मनंजर शेर आलम शामिल हैं। वहीं धनबाद के रोहित दाँ और महफुज आलम के अलावा ओ-डिशा के चन्द्रकांत परिदा और गोड्डा के मो. गुफरान आलम को भी पुलिस

ने गिरफ्तार किया है।पुलिस ने छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास से 12 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 17 सिम कार्ड, 17 एटीएम कार्ड, बैंक खातों से जुड़े क्यूआर कोड, दो चेकबुक, एक पासबुक और 50 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं।पुलिस के मुताबिक यह गिरोह साइबर ठगी और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करता था। अलग-अलग लोगों के नाम से खोले गए बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़े पैसों के लेनदेन के लिए किया जाता था।फिलहाल साइबर अपराध थाना में मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस अब गिरोह के मुख्य सरगना और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए सबूत जुटा रही है। धनबाद में बड़े अंतरराज्यीय साइबर क्रिमिनल गैंग का पुलिस ने भांडाफोड़ किया है। धनबाद के एक होटल से साइबर क्राइम से जुड़े नौ लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। उनके पास से 50 हजार रुपए नकद, 15 मोबाइल फोन, 17 एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक सहित अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। धनबाद साइबर पुलिस ने गिरोह का पदार्फाश किया है। पकड़े गए लोगों में झारखंड के साथ - साथ पड़ोसी राज्यों के साइबर क्रिमिनल भी है। पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र के होटल न्यू हरि-इन के कमरा नंबर 103 और 108 में छापेमारी कर 9 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले कई सामान बरामद किए गए हैं। इस संबंध में डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के आशीष कुमार, मिथिलेश ठाकुर, मो. आबिद आलम, आशुतोष कुमार आनंद और मनंजर शेर आलम शामिल हैं। वहीं धनबाद के रोहित दाँ और महफूज आलम के अलावा ओडिशा के चन्द्रकांत परिदा और गोड्डा के मो. गुफरान आलम को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान आ-रोपियों के पास से 12 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 17 सिम कार्ड, 17 एटीएम कार्ड, बैंक खातों से जुड़े क्यूआर कोड, दो चेकबुक, एक पासबुक और 50 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह साइबर ठगी और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करता था। अलग-अलग लोगों के नाम से खोले गए बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़े पैसों के लेनदेन के लिए किया जाता था। फिलहाल साइबर अपराध थाना में मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस अब गिरोह के मुख्य सरगना और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए सबूत जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही कि गिरोह से जुड़े कुछ अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी होगी।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व सब-रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के विरोध में धनबाद निबंधन कार्यालय बंद, कर्मचारियों ने जताया आक्रोश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र के बेलसगरा गांव निवासी और गिरिडीह के पूर्व सब-रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के विरोध में बुधवार को धनबाद जिला निबंधन कार्यालय का कामकाज पूरी तरह ठप रहा। निबंधन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।कर्मचारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए हत्या में शामिल अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की घटना सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करती है।निबंधन कर्मियों ने सरकार से मांग की है कि दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। विरोध के कारण पूरे दिन कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा। दस्तावेजों के निबंधन समेत अन्य कार्य नहीं हो सके, जिससे अपने काम से पहुंचे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

धनबाद स्टेशन रोड मजार में कमिटी को लेकर बवाल, नई-पुरानी कमिटी आमने-सामने जमकर हुआ हंगामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के स्टेशन रोड स्थित मजार में वक्फ बोर्ड के आदेश के बाद नई प्रबंधन कमिटी के गठन को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। नई कमिटी को पदभार दिलाने के लिए जिला प्रशासन और कल्याण विभाग टीम भारी पुलिस बल के साथ मजार पहुंची थी। पदभार दिलाने के दौरान मजार परिसर रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। नई और पुरानी कमिटी के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और दोनों पक्षों में हाथापाई और एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए।वही पुरानी कमिटी के सचिव वाजिद खान ने नई कमिटी के गठन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह वक्फ बोर्ड के नियमों के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि नियम के अनुसार कमिटी के निर्वाचित सदस्य मजार से तीन किलोमीटर के दायरे के निवासी होने चाहिए तथा नशे का सेवन नहीं करते हों। उन्होंने आरोप लगाया कि नई कमिटी में झरिया, जामाडोबा, गोविंदपुर और निरसा के लोगों को शामिल किया गया है, जो नियमों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि नई कमिटी का गठन चुनाव के माध्यम से कराया जाए, ताकि स्थानीय लोग अपने प्रतिनिधियों का चयन कर सकें। नई कमिटी के अध्यक्ष और सचिव ने पुरानी कमिटी पर मनमानी, पारदर्शिता की कमी और वर्षों से एकतरफा तरीके से मजार का संचालन करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वक्फ बोर्ड के निर्देश के अनुसार ही नई कमिटी का गठन किया गया है और अब वही मजार का प्रबंधन संभालेगी।कमिटी गठन को लेकर बढ़ते विवाद के बीच जिला प्रशासन और कल्याण विभाग के अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण कर दोनों पक्ष के साथ बैठक कर वार्ता करने की बात कह रहे है।

छात्रों ने नशा मुक्ति को ले निकाला प्रभात फेरी, बांटा गया कीट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : मुगमा मध्य विद्यालय एग्यारकुंड के छात्र-चात्राओं ने नशा मुक्ति को ले पोषक क्षेत्र में प्रभात फेरी नकाली गई।बच्चों ने हाथों में तख्ति लेकर नशा से दुर रहने की अपील किया। प्रभात फेरी निमडंगाल, पाथरचाली, नकड़ा कानीली, कोड़ाकुली आदि क्षेत्रों में निकाली गई।इस दौरान विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026 -27 के लिए स्कूल किट योजना के तहत कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की सभी विद्यार्थियों को नोटबुक का वितरण मुखिया अजय कुमार राम द्वारा किया गया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार झा, शिक्षक विदन मंडल, ज्योति कुमारी, वर्षा हालदर, लखी कुंभकार, रईस अंसारी, पोरेश चंद्र महतो व अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस ने एसआईआर पुनरीक्षण कार्य का विभिन्न मतदान केंद्रों का किया दौरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : कांग्रेस ने निरसा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची को त्रुटिमुक्त और निष्पक्ष बनाने को ले चल रहे एसआईआर पुनरीक्षण कार्य का विभिन्न मतदान केंद्रों का सघन दौरा किया।इस दौरान बीएलओ और कांग्रेस के बीएलए.-2 से सीधे संवाद कर वोटर लिस्ट की खामियों और गड़बड़ियों की विस्तृत जानकारी ली गई। मौके पर धनबाद जिला ग्रामीण प्रभारी राकेश किरण महतो, जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, विधानसभा प्रभारी महेंद्र दूबे, प्रखंड प्रभारी बन्टी दास, निरसा प्रखंड अध्यक्ष संतोष राय व एग्यारकुंड प्रखंड अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।नेताओं के कार्यकताओं को अलर्ट करते हुए कहा कि जनता के वोट की ताकत को रक्षा करना कांग्रेस की बुनियादी जिम्मेदारी है।हमारे बीएलए यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वैध और वास्तविक मतदाता का नाम साजिशन या लापरवाही से वोटर लिस्ट से बाहर न होने पाए।एग्यारकुंड प्रखंड अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी के नेतृत्व में चल रहे जनसंपर्क अभियान की सराहना की। अभियान को सफल बनाने में अर्जुन भूइयां, नकुल मोदी, राजेंद्र सिंह, अजय कुमार, देव दास तांती, रंजन यादव, बिनोद यादव, दुर्गा रविदास सहित दर्जनों कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूलों के समीप स्थानांतरित करने पर मंथन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूलों के निकट ही संचालित करने पर बुधवार को अधिकारियों ने मंथन किया। डीडीसी सन्नी राज की अध्यक्षता में इसके लिए समाहरणालय सभागार में बैठक हुई। बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने और आंगनबाड़ी केंद्रों की बुनियादी स्थिति में सुधार करने पर भी चर्चा हुई। तय हुआ कि आंगनबाड़ी केंद्रों को नजदीकी सरकारी विद्यालयों के परिसरों में स्थानांतरित किया जाय। बैठक में उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने, बगैर बिजली वाले केंद्रों में बिजली कनेक्शन लेने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्र में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के विकास की पहली सीढ़ी हैं। बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जेबीवीएनएल के कार्यकारी विद्युत अभियंता शिवेंद्र कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल बिरसा कृषि रथ किसानों को देगा नई तकनीक की जानकारी

डीडीसी ने डीसी ऑफिस परिसर से किया रवाना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डिजिटल बिरसा कृषि रथ धनबाद के किसानों को खेती के आधुनिक तकनीकों की जानकारी देगा। बुधवार को डीडीसी सन्नी राज ने डीसी ऑफिस परिसर से इसे रवाना किया। कृषि के आधुनिकीकरण और किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह रथ जिले के हर प्रखंड में जायेगा। यह रथ अगले 15 दिनों तक सभी प्रखंडों के सभी पंचायतों में भ्रमण करेगा। इस अवसर पर डीडीसी ने कहा कि इस वर्ष सुपर अल-नीनो के प्रभाव के कारण कम वर्षा की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस स्थिति में सही फसल का चुनाव और वैज्ञानिक सुझावों को गांव गांव तक पहुंचाना ही बिरसा कृषि रथ का मुख्य उद्देश्य है। रथ के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर किसानों को मिट्टी की जांच, जैविक खेती, फसल विविधीकरण और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग की जानकारी देगी। किसानों को बिरसा हरित ग्राम योजना सहित सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। भ्रमण के दौरान रथ के साथ चल रहे कृषि विशेषज्ञ किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे और उन्हें कृषि संबंधित तकनीकी सलाह उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री का कृषकों के नाम संदेश प्रसारित किया जाएगा। अभियान एक उद्देश्य यह भी है कि प्रत्येक किसान तक योजनाओं की सही एवं समय पर जानकारी पहुंचे ताकि कृषक विपरीत मौसम के प्रति सजग रहें एवं अधिकतम लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि बिरसा कृषि रथ का उद्देश्य जिले के अंतिम छोर पर बैठे किसानों तक पहुंचना है। उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। यह रथ न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि यह किसानों और कृषि विभाग के बीच एक सीधा सेतु है। जिले के सभी प्रखंडों में यह रथ भ्रमण करेगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इससे लाभान्वित हो सकेंगे। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक मोतीलाल, सहायक तकनीकी प्रबंधक संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

एसआइआर में लापरवाही, 23 वॉलिंटियर्स को स्पष्टीकरण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण में लापरवाही बरतने के आरोप में 23 वॉलिंटियर्स को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। इसमें निरसा विधानसभा के वॉलिंटियर पार्थ सारथी पाण्डेय, सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-88, अल्पना दत्ता, सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या-99, लक्ष्मीकांत सिन्हा, सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-100, महुआ मुखोपाध्याय सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या- 300, कन्हेया मिश्रा सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-333, तापस पाल सहायक शिक्षक, बूथ संख्या- 351। धनबाद विधानसभा के वॉलिंटियर अनिता कश्यप, सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या-31, बदरे आलम गजाला, सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-80 महेन्द्र कुमार यादव सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-106, सोनी कुमारी सहायक शिक्षिका बूथ संख्या-114, ओम प्रकाश शर्मा सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-133, आभा कुमारी

सहायक शिक्षिका, बूथ संख्यासंतोष कुमार सिंह सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-141, इन्द्रानी तिवारी सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या-145, किरण मीरा लकड़ा सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या- 146, शकुन्तला कुमारी सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या-169, स्वेता कुमारी, सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या-160, सरोज कुमारी सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या, कलावती कुमारी, सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या-163, पवन कुमार झा, सहायक शिक्षक, बूथ संख्या-164, कुमुदलता गुप्ता सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या- 165, झरिया विधानसभा के वॉलिंटियर शजदा नसरीन, सहायक शिक्षिका, बूथ संख्या- 165 तथा प्रियंका कुमारी, सहायक शिक्षिका बूथ संख्या-184 को शो- कोज किया गया है। 30 जून को सभी मतदान केन्द्रों में बीएलओ और बीएलए 2 की एस-आइआरसे संबंधित आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें सहयोग के लिए वॉलिंटियर्स को बूथ में बीएलओ के साथ उपस्थित होकर उनके कार्य में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था। जिसके लिए वॉलिंटियर्स को पूर्व में ही प्रशिक्षण भी दिया गया था। परन्तु जिला के हेल्प डेस्क मैनेजर जब दूरभाष पर वॉलिंटियर्स का सम्पर्क किया तब 23 वॉलिंटियर्स अनुपस्थित पाये गये। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि उनका यह रवैया निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति उनकी लापरवाही एवं उच्च अधिकारियों के आदेश की अवहेलना है। इसलिए सभी 23 वॉलिंटियर्स को 24 घंटे के अंदर अपना स्पष्टीकरण जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

सदर अस्पताल के एमएनसीयू ने सीवियर नियोनेटल सेप्सिस से पीड़ित नवजात को दिया नया जीवन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : सदर अस्पताल के मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) के चिकित्सक एवं कर्मियों ने गंभीर रूप से बीमार नवजात को नया जीवन दिया। नवजात सीवियर नियोनेटल सेप्सिस से पीड़ित था। जमुई (बिहार) की रहने वाली अन्नु कुमारी ने 23 जून को अपने नवजात पुत्र को सदर अस्पताल के मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) में भर्ती कराया था। लंबे इलाज के बाद बच्चा स्वस्थ हो गया है। अन्नु कुमारी ने बताया कि यहां के डॉक्टर, नर्स और कर्मी मेरे लिए भगवान हैं। इन्होंने इलाज कर मेरे बच्चे को नया जीवन दिया है। अन्नु कुमारी और किशोर कुमार साव के नवजात शिशु, सीवियर नियोनेटल सेप्सिस नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित था। परिजनों ने इलाज के लिए 16 जून को जमुई से देवघर आकर अपने नवजात शिशु को एक अस्पताल में

भर्ती कराया था। 22 जून की रात देवघर के अस्पताल के डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। उन्होंने बच्चे को किसी बेहतर अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। अन्नु कुमारी ने कहा कि उन्होंने धनबाद के सदर अस्पताल में इलाज के बारे में बहुत कुछ सुना था। इसलिए बिना कोई देरी किए और समय गंवाए, पूरी आशा और विश्वास के साथ वह अपने बच्चे को लेकर धनबाद सदर अस्पताल के एमएनसीयू पहुंची। यहां जांचोपरांत बच्चे के रक्त में इंफेक्शन बताया गया। सारी जांच कराने के बाद रिपोर्ट आ गई और डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। मुझे विश्वास ही नहीं था कि मेरा नवजात बच पाएगा। तीन चार दिन के इलाज के बाद मेरे बच्चे की स्थिति में सुधार होते नजर आया। इससे उम्मीद की एक किरण जागी। अन्नु कुमारी ने बताया कि एक सप्ताह के इलाज के बाद मेरे बच्चे की स्थिति पहले से बहुत बेहतर है। एमएनसीयू के प्रभारी डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि शिशु सीवियर नियोनेटल सेप्सिस से पीड़ित था। । शिशु जब एमएनसीयू में आया तब उसे तेज बुखार और सांस लेने में दिक्कत थी। उसके हाथ और पैरों में स्किन डिसऑर्डर शुरू हो गया था। वर्तमान में उसकी स्थिति पहले से बहुत बेहतर है। शिशु की बीमारी लगभग 90% समाप्त हो चुकी है। बुखार आना भी बंद हो गया है। सांस की दिक्कत भी नहीं है। आगामी तीन-चार दिनों के बाद शिशु को यहां से स्वस्थ करके डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

गोविन्दपुर की बिवरेजेस कंपनी में औचक निरीक्षण, स्टॉक की हुई जांच

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिला प्रशासन और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने शराब के स्टॉक की गड़बड़ियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गोविन्दपुर के देवली स्थित मेसर्स ब्लैक ब्रियू बिवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड में औचक निरीक्षण कर स्टॉक की भौतिक जाँच की। डीसी ने बताया कि छापेमारी टीम ने रात्रि में प्रतिष्ठान के मुख्य गेट को खुलवाकर परिसर में प्रवेश किया। शुरूआती पूछताछ में गार्ड द्वारा बताया गया कि कंपनी के कर्मी शाम के बाद अपने आवास चले जाते हैं। इसके बाद अवर निरीक्षक उत्पाद-सह-प्रभारी उत्पाद पदाधिकारी ने प्रतिष्ठान के प्रबंधक को मोबाइल पर फोन करके मौके पर बुलाया। प्रबंधक के आने के बाद नियमानुसार स्टॉक के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई। उन्होंने बताया कि भौतिक सत्यापन के क्रम में जाँच टीम ने विदेशी एवं देशी शराब के गोदामों की बारीकी से जांच कर स्टॉक की गिनती की। जिसमें विदेशी शराब के गोदाम में ओल्ड हैबिट प्रीमियम व्हिस्की के 180 एमएल की 03 पेटियाँ, बॉटम्स अप व्हिस्की 180 एमएल की 03 पेटियाँ, ओल्ड हैबिट रम 750 एमएल की 852 पेटियाँ, 375 एमएल की 364 पेटियाँ और 180 एमएल की 1171 पेटियाँ पायी गई। जबकि देशी शराब गोदाम के गोदाम में धनबाद नम्बर-01 300 एमएल की 458 पेटियाँ, झारखण्ड नम्बर-01 600 एमएल की 106 पेटियाँ और 200 एमएल की 255 पेटियाँ पायी गई। डीसी ने बताया कि भौतिक सत्यापन के दौरान जांच दल को कोई भी अवैध उत्पाद वस्तु नहीं मिला। डीसी ने जिले में किसी भी प्रकार की वित्तीय या आबकारी अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की औचक कार्रवाई जारी रहेगी। छापेमारी और जाँच अभियान में गोविन्दपुर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद राउत, निरीक्षक उत्पाद (सदर प्रक्षेत्र) देवीलाल सोरेन, अवर निरीक्षक उत्पाद जॉय हेंब्रम, अवर निरीक्षक उत्पाद जितेन्द्र कुमार, गोविंदपुर थाना के पुलिस बल एवं प्रतिनियुक्त गृह रक्षकों की संयुक्त टीम ने किया।

लॉ कॉलेज पहुंचा न्यायरथ, कानून की बारीकियों से रूबरू हुए विधि के छात्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के जन-जागरूकता अभियान के तहत संचालित 'जस्टिस रूट' (न्याय रथ) बुधवार को लॉ कॉलेज, धनबाद पहुंचा। इस अवसर पर विधि के छात्र-छात्राओं को विधिक अधिकारों, विभिन्न सरकारी योजनाओं, मध्यस्थता, लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा नशा नियंत्रण संबंधी कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने विद्यार्थियों को

एनडीपीएस अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों, नशे के दुष्परिणामों तथा कानून के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज में विधिक जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

वहीं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डेप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने विद्यार्थियों को मध्यस्थता, लोक अदालत एवं भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए वैकल्पिक विवाद समाधान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता और लोक अदालत के माध्यम से कम समय और कम खर्च में विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है।

इस दौरान सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल शैलेंद्र कुमार झा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, निःशुल्क विधिक सहायता, पात्रता, तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न कानूनी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विधि के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के साथ सचिव सावर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनों ने बताया कि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में संचालित 'जस्टिस रूट' न्यायरथ आगामी दिनों में शहर के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों का भ्रमण कर विद्यार्थियों के बीच विधिक जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोगों तक कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और न्याय तक सहज पहुंच की जानकारी पहुंचाई जा सके।

संक्षिप्त खबरें

बीस साल बाद दो जुलाई को डकरा में दोबारा खुलेगा केन्द्रीय विद्यालय,केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ करेंगे उदघाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : वर्ष 2006 से बंद केंद्रीय विद्यालय डकरा कल दो जुलाई को एकबार शुरू होने जा रहा है।स्थानीय सांसद सह केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ विद्यालय का उदघाटन करेंगे।इस मौके पर राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, प्रदीप वर्मा, महुआ माजी, विधायक सुरेश कुमार बैठा, सीसीएल सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक मानव संसाधन विभाग हर्षनाथ मिश्रा सहित सभी श्रमिक संगठन के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहेंगे।उदघाटन की तैयारी पूरी कर ली गई है।महाप्रबंधक अमिताभ कुमार तिवारी आज पूरे दिन आयोजन स्थल पर अपने देख-रेख में तैयारी का जायजा लेते रहे।बीस साल बाद पुनः डकरा में केन्द्रीय विद्यालय खुलने की खबर से हर कोई उत्साहित है।विद्यालय में सफाई कर्मी और सिक्योरिटी गार्ड की पोस्टिंग नहीं हुई है जिसके कारण क्लास शुरू नहीं हुआ है लेकिन उदघाटन समारोह में कक्षा चार-पांच के बच्चों को भी बलाया गया है।कक्षा एक से पांच तक कुल 200 बच्चों का नामांकन लिया गया है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लोगों ने बताया कि देश में केन्द्रीय विद्यालय का कोई प्रोजेक्ट स्कूल बंद होने के बाद दोबारा खुलना देश में पहला उदाहरण है।इसके लिए स्थानीय सांसद संजय सेठ का बड़ा योगदान है।वे 2019 में जब पहली बार सांसद बने तब से ही प्रयासरत थे।कोयला मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के साथ लगातार समन्वय के बाद कोल इंडिया प्रबंधन को भी इसके लिए तैयार किया तब इस प्रस्ताव को शिक्षा मंत्रालय ने स्वीकार कर विद्यालय आरंभ करने की स्वीकृति दी।पिछला बकाया 77 लाख रुपए केन्द्रीय विद्यालय संगठन को देने के बाद पुराने बिल्डिंग के एक हिस्से को लगभग पांच करोड़ रुपए खर्च कर जिर्णोद्धार कराया गया।दूसरे हिस्से को तोड़कर बनाया जाएगा और विद्यालय का विस्तार किया जाएगा।

तालाब में मिला लापता मजदूर का शव, मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत टोकलो थाना क्षेत्र के गोपीनाथपुर पंचायत अंतर्गत लाउजोडा गांव स्थित एक तालाब से एक व्यक्ति का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान साबरू हांसदा के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार साबरू हांसदा गत शनिवार से लापता था। परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।ग्रामीणों ने लाउजोडा गांव के एक तालाब में एक सड़ा-गला शव देखा। पहचान करने पर शव भुजंग मांझी का निकला। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल टोकलो थाना पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अंकित कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।बताया जाता है कि मृतक मूल रूप से गांव बाथनोमुठी थाना गुड़ाबांधा पूर्वी सिंहभूम का निवासी था। वह मजदूरी का कार्य करने के लिए चक्रधरपुर के डोंकासाई गांव में किराये के मकान में पत्नी एवं बच्चों के साथ रह रहा था।फिलहाल उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। शव की स्थिति को देखते हुए मामला रहस्यमय प्रतीत हो रहा है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है तथा विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुट गई ।

लातेहार जिला चलंत लोक अदालत वाहन को पीडीजे ने रवाना किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : व्यवहार न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष शेषनाथ सिंह ने जस्टिस ऑन व्हील्स (चलंत लोक अदालत) वाहन का विधिवत उद्घाटन के बाद हरी झंडी दिखाकर सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया। मौके पर पीडीजे श्री सिंह ने कहा कि न्याय पाना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण आज भी ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। जस्टिस ऑन व्हील्स वाहन इसी खाई को पाटने का काम करेगी। यह चलंत लोक अदालत वाहन पूरे जुलाई माह लातेहार जिला के सभी प्रखंडों, पंचायतों और सुदूरवर्ती गांवों का दौरा करेगा।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को कानून की बुनियादी जानकारी देना, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना और उनके भीतर विधिक चेतना पैदा करना है। उन्होने बताया कि इस वाहन में विधिक स्वयं सेवकों और कानूनी विशेषज्ञों की टीम मौजूद रहेगी जो न सिर्फ लोगों को जागरूक करेगी, बल्कि ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं को सुनेगी और प्राधिकार के माध्यम से उनका त्वरित समाधान निकालने का प्रयास करेगी।छोटे-मोटे विवादों को आपसी समझौते के आधार पर सुलझाने में भी यह वाहन मददगार साबित होगा।मौके पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त द्विवेदी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (प्रोबेशनरी) दीपक कुमार, सीजेएम विक्रम आन्नद, प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, बार एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार समेत कई अधिवक्तागण, पीएलवी तथा न्यायालयकर्मी उपस्थित थे।

एसआईआर के जनजागरूकता हेतु रथ रवाना,उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर से दिखाई हरी झंडी, पंचायतों एवं नगर क्षेत्र के वार्डों तक पहुंचेगा जागरूकता रथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के सफल क्रियान्वयन एवं मतदाताओं के बीच व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से बुधवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने समाहरणालय परिसर, लोहरदगा से निर्वाचन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान प्रत्येक पात्र मतदाता तक आवश्यक जानकारी पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि यह जागरूकता रथ जिले के सभी संबंधित प्रखंडों की पंचायतों तथा नगर क्षेत्र के सभी वार्डों में भ्रमण कर नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, गणना प्रपत्र भरने, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध कराएगा। उन्होंने आमजन से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने तथा समय पर अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को उपलब्ध कराने की अपील की।इस अवसर पर विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया। अभियान में उपायुक्त सहित समाहरणालय के वरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हस्ताक्षर कर मतदाता जागरूकता एवं शत-प्रतिशत जनभागीदारी का संदेश दिया।

दिनदहाड़े लूट कानून-व्यवस्था की गंभीर विफलता का प्रमाण,अपराधियों के आगे घुटने टेक चुका है शासन: संजय सेठ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची के इटकी रोड स्थित आर्किड अपार्टमेंट में उमेश अग्रवाल के फ्लैट में दिनदहाड़े हुई भीषण लूट की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह घटना राज्य की बिगड़ती कानून-व्यवस्था और अपराधियों के बढ़ते मनोबल का स्पष्ट प्रमाण है।उन्होंने बताया कि आज दोपहर लगभग 12 बजे जब उमेश अग्रवाल बाजार गए हुए थे, उसी दौरान बेलगाम अपराधियों ने महज 20 मिनट के भीतर पूरे घर को खंगालकर लाखों रुपये की संपत्ति लूट ली और फरार हो गए। यह घटना दर्शाती है कि राजधानी में अपराधियों के मन से कानून और पुलिस का भय पूरी तरह समाप्त हो चुका है तथा आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही श्री सेठ तत्काल आर्किड अपार्टमेंट पहुंचे, पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरी घटना की जानकारी ली और मौके से ही पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा से दूरभाष पर बात कर अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी तथा कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।श्री सेठ ने कहा कि महज 20 मिनट में दिनदहाड़े एक घर में इस प्रकार की लूट होना पुलिस व्यवस्था की गंभीर विफलता को उजागर करता है। यदि राजधानी में ही लोग अपने घरों में सुरक्षित नहीं हैं, तो यह पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होने लगा है मानो राजधानी रांची अपराधियों के हवाले हो चुकी है।उन्होंने कहा कि राज्य में व्यापारियों को लगातार धमकियां मिल रही हैं, घरों में लूट की घटनाएं हो रही हैं और अपराधी खुलेआम हत्या जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में आम नागरिकों का व्यवस्था पर से विश्वास उठना स्वाभाविक है। यदि शासन और प्रशासन राजधानी की जनता को सुरक्षा नहीं दे सकता, तो यह सरकार के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है।श्री सेठ ने राज्य सरकार से मांग की कि इस मामले में शामिल सभी अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, लूटी गई संपत्ति बरामद की जाए तथा राजधानीवासियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी और कठोर कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने रांची में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू करने की पुरानी मांग को तत्काल पूरा करने का भी आग्रह किया, ताकि राजधानी की कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय, पिठोरिया में डॉ. बीपी केशरी की 94वीं जयंती मनाई गई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : शिक्षाविद, इतिहासकार, झारखंड आंदोलनकारी एवं समाजसेवी डॉ. बीपी केशरी की 94वीं जयंती के अवसर पर प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय, पिठोरिया में श्रद्धापूर्वक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।मुख्य वक्ता डॉ हरीश कुमार चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन केवल एक महान विभूति को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उनके विचारों, मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि डॉ. बीपी केशरी ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि यदि व्यक्ति समाज, संस्कृति और भाषा के प्रति समर्पित हो, तो उसका कार्य पीढ़ियों तक प्रेरणा का स्रोत बना रहता है। उन्होंने झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं, विशेषकर नागपुरी भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए जो कार्य किए, वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। सुजीत कुमार केशरी ने कहा कि झारखंड सदैव डॉ. बी. पी. केशरी का ऋणी रहेगा। उनकी पूरी जिंदगी सादगी और सत्यवादिता को समर्पित रही। उनकी साधना, शोध और सामाजिक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ बने रहेंगे। इस मौके पर पिठोरिया एजुकेशनल फाउंडेशन के निदेशक सुजीत कुमार केशरी, शेखर कुमार और दीपक चौरसिया के द्वारा घोषणा की गई कि मैट्रिक परीक्षा 2026 ई. में 92 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली छात्राओं रोशनी कुमारी (94.4) और शैली कुमारी (93.2) को 15 अगस्त 2026 को डॉ बी पी केशरी प्रतिभा सम्मान के तहत पांच -पांच हजार रुपए और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।इस कार्यक्रम में रामलगन महली, राजेश साहू, मुकेश कुमार केशरी, प्रधानाध्यापक विजय कुमार पांडेय, नीरज कुमार देव, सचित राणा, रंजीत तिर्की, संगीता केशरी, सुशित, आशीष, विनय,अमृता, प्रियंका,सरिता, सोबिता, मोनिका, शबनम,हेमा, मार्गेट, अनूप,आरती, नित्या, शिवानी, सावधानी कुजुर एवं रानी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम का समापन उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन के साथ किया गया।

आदित्य साहू :झारखंड की एकता, सुरक्षा व समाजिक विकास के लिए एकजुटता जरूरी, राज्य सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्मरण दिवस के मौके पर बुधवार को अविराम कॉलेज आफ एजुकेशन टिको कुडू में छात्र विधार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू पुर्व सांसद सुदर्शन भगत प्रदेश मंत्री सरोज सिंह व अन्य थें। अतिथियों का कालेज पहुंचने पर कालेज के सचिव इंद्रजीत कुमार भारती ने स्वागत किया। दीप प्रज्वलित करते हुए सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन स्मरण को याद कर रहे हैं। 33 साल की उम्र में विश्वविद्यालय का कुलपति बनना आसान काम नहीं था।कलकता विश्वविद्यालय को चलाना कोई छोटी बात नहीं थी, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक व्यक्ति नहीं विचारधारा के धनी थे।उद्योग मंत्री का दर्जा दिया गया इसके बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने डीवीसी की स्थापना किए।कांग्रेस पार्टी हमेशा तुष्टिकरण की राजनिति करती है।देश को छोड़कर दुसरे देश का गुणगान करती हैं। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी नहीं होते तो देश कई भागों में बंट गया होता।बंगाल में स्थिति बदतर हो गई थी।कश्मीर में धारा 370 को हटाना डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना था जो भाजपा सरकार आने के बाद साकार हो गया है।श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक ही सपना था एक देश, एक विधान व एक निशान हो।नेहरू जी ने बगैर केबिनेट की बैठक किए ही पचास करोड़ रुपए पाकिस्तान को दिया था।इमरजेंसी लगाना देश के लिए काला अध्याय है।भारत बदल रहा है।झारखंड की एकता, झारखंड का विकास व झारखंड की समाजिक सुरक्षा के लिए एकजुटता जरूरी हैं।शिक्षा का अंतिम लक्ष्य, उच्च चरित्र निर्माण करना है। ह्ल

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने किया पांडेडीह-गिरिडीह सड़क का शिलान्यास,3 जुलाई को भागाबांध पावर ग्रिड का करेंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बुधवार को प्रखंड के पांडेडीह मोड़ से गिरिडीह जाने वाले सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार गांवों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है और पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई तस्वीर उभर रही है।शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि अच्छी सड़कें विकास की पहचान हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोगों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी लापरवाही कई परिवारों की खुशियां छीन लेती है।मंत्री ने बताया कि आगामी 3 जुलाई को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भागाबांध में निर्मित पावर ग्रिड का शिलान्यास करेंगे। पावर ग्रिड के शुरू होने से नारायणपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे कृषि, व्यवसाय और आम जनजीवन को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विकास कार्यों से कुछ लोग परेशान हैं, लेकिन जनता के विश्वास और सहयोग से विकास का कारवां लगातार आगे बढ़ता रहेगा। सरकार क्षेत्र के हर गांव तक सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।मौके पर पार्टी नेता दीपिका बेसरा, बीरबल अंसारी, मोहम्मद मुस्तफा, मुबारक अंसारी, जब्बार मियां, अफजाल अंसारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

संगठन सृजन के साथ जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस का मंथन, जल्द शुरू होगा चांडिल का सौ बेड अस्पताल : नमन बिक्सल कोंगाड़ी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक बुधवार को चांडिल डैम रिसॉर्ट परिसर में आयोजित हुई।बैठक में संगठन की मजबूती, मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों के बढ़ते आतंक तथा सौ बेड वाले अनुमंडलीय अस्पताल को जल्द शुरू कराने सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष, रांची लोकसभा प्रभारी एवं कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।बैठक को संबोधित करते हुए विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि कांग्रेस पूरे देश में संगठन सृजन अभियान चला रही है। प्रदेश से लेकर जिला, प्रखंड और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि पार्टी और अधिक सशक्त होकर जनता के बीच अपनी भूमिका निभा सके।उन्होंने कहा कि संविधान ने प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार दिया है, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाने का प्रयास कर रही है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर सत्ता में बने रहना चाहती है।बैठक के बाद विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने चांडिल के गांगुडीह स्थित सौ बेड वाले अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दूरभाष पर सिविल सर्जन और स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय के अधिकारियों से बातचीत कर अस्पताल की स्थिति की जानकारी ली तथा इसे जल्द से जल्द चालू कराने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि अस्पताल शुरू होने से चांडिल अनुमंडल के हजारों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।विधायक ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में जंगली हाथियों के बढ़ते आतंक को लेकर भी वन विभाग के डीएफओ से बातचीत कर प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने और ग्रामीणों को राहत दिलाने की मांग की। इस अवसर पर जिला प्रभारी बेलस तिर्की, जिलाध्यक्ष राज बागची, कार्यकारी जिलाध्यक्ष तरुण डे, सुनील सहाय, सानू रहमान, बुद्धेश्वर मांझी, पशुपति सिंह सरदार, प्रभु सिंह, मनमन सिंह, सिद्धू मुंडा, भीम सिंह मुंडा, विपद तारण महतो, दुर्योधन गोप, तस्लीमा मलिक, तरुण प्रामाणिक, उपेंद्र गिरी आदि उपस्थित थे।

जमशेदपुर की घटना पर राजनीति बंद करे भाजपा, जनता को गुमराह ना करे : कांग्रेस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा है कि भाजपा जमशेदुपर की घटना दुखद और निंदनीय है।भाजपा इस घटना पर राजनीति करना बंद करे।भाजपा राज्य की जनता को गुमराह कर रही है। भाजपा के शासन में मॉब लिंचिंग, दंगे और अपराधियों का महिमामंडन हुआ था। भाजपा को कानून-व्यवस्था पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। श्री सिन्हा ने कहा कि जमशेदपुर की दुखद घटना पूरे राज्य के लिए पीड़ादायक है। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है। दोषी चाहे कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए।लेकिन भाजपा इस संवेदनशील घटना को राजनीतिक मंच बनाकर अपनी खोयी हुई जमीन तलाशने में जुट गयी है।कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य सरकार ने घटना पर गंभीर संज्ञान लिया है। पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है और जांच आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा पुलिस प्रशासन और सरकार पर लगाए गए आरोप तथ्यहीन और गैर जिम्मेदाराना हैं। भाजपा बंद और आंदोलन की धमकी देकर प्रदेश का माहौल बिगाड़ना चाहती है। कांग्रेस मानती है कि कानून हाथ में लेने, तनाव फैलाने और बंद की राजनीति से किसी पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता। न्याय अदालत और कानून के माध्यम से मिलेगा, न कि राजनीतिक नौटंकी से मिलेगा. कांग्रेस पार्टी कानून के शासन, सामाजिक सौहार्द और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री हफीजूल ने 1 करोड़ 40 लाख की लागत से विद्यालय भवन का किया शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : मधुपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सूबे के अल्पसंख्यक कल्याण एवं जल संसाधन मंत्री जनाब हफीजूल हसन अंसारी साहब ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से लगभग 1 करोड़ 40 लाख 60 हजार रुपये की लागत से पाथरोल प्लस टू विद्यालय में 11 अतिरिक्त वर्ग कक्ष भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें मेधावी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री हफीजूल हसन अंसारी ने कहा कि शिक्षा विकास की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही सशक्त समाज का निर्माण करता है तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बेटा और बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए। दोनों को समान अवसर और बेहतर शिक्षा प्रदान करना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां भी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।उन्होंने कहा कि विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण से छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा तथा पढ़ाई में सुविधा बढ़ेगी। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) राजीव कुमार संदीप मोदी गुलाम अशरफ उर्फ.राजू रोहित यादव विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अजीत दास अजीज अंसारी शाहबुद्दीन अंसारी केशव सिंह सुरेश चौधरी बंसी सिंह समीर आलम शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मलेरिया से पूर्वी सिंहभूम में मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सभी उपायुक्तों को जारी किया अलर्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य के पूर्वी सिंहभूम जिले में मलेरिया का प्रकोप बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जिलों के सभी उपायुक्तों को अलर्ट जारी किया है।विभाग खासतौर पर ब्रेन मलेरिया (सेरेब्रल मलेरिया) से चार बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद सभी जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र जारी कर मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए तत्काल प्रभाव से व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।पोटका, मुसाबनी, घटशिला और डुमरिया प्रखंडों में सहित अन्य जिलों के प्रभावित इलाकों में उपायुक्त के माध्यम से दवाओं का भंडारण के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में वेक्टर नियंत्रण के तहत कीटनाशी दवाओं का छिड़काव तथा लार्वा नियंत्रण संबंधी गतिविधियों में तेजी लाने को कहा गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में जांच सामग्री और मलेरिया रोधी दवा उपलब्ध रहेगी।अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि जिन क्षेत्रों में मलेरिया के मामले सामने आ रहे हैं, वहां युद्धस्तर पर कार्ययोजना बनाकर निगरानी बढ़ाई जाए तथा प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय की जाए, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। यह कदम लगातार बढ़ रहे संक्रमण के मामलों को गंभीरता को देखते हुए उठाया गया है।पूर्वी सिंहभूम से जुड़े हितबासा और सानग्राम जैसे प्रभावित गांव में खास स्क्रीनिंग और पीड़ितों की पहचान होगी।गंभीर मरीजों को फौरन चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें हायर सेंटर रेफर किया जायेगा।मलेरिया की आशंका वाले प्रत्येक मरीज की तत्काल जांच कर पॉजिटिव पाए जाने पर बिना विलंब मलेरिया रोधी दवाओं से तत्काल उपचार शुरू किया जाना है।राज्य के किसी भी क्षेत्र में मलेरिया का एक भी नया मामला मिलने पर पूरे इलाके में अनिवार्य रूप से मास सर्वे अथवा फीवर सर्वे चलाया जायेगा।फौरन स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए प्रत्येक गांव का ग्रामवार मलेरिया डेटा तैयार किया जायेगा साथ ही अधिक प्रभावित गांवों की सहियाओं को रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

दस्तावेजों में फजीवाड़े पर प्रशासन हुई सख्त, आरोपी पर दर्ज हुआ केस

डीएम के निर्देश व सीओ की शिकायत पर फतेहपुर थाना में बीएनएस की विभिन्न धाराओं में हुई प्राथमिकी

दस्तावेजों की गहन जांच शुरू, दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : भूमि से जुड़े दस्तावेजों में कथित कूटरचना और फजीवाड़े के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अंचल अधिकारी अमिता सिंहा की लिखित शिकायत के आधार पर फतेहपुर थाना में लोधवे गांव निवासी जशवंत सिंह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में आरोप है कि सरकारी अभिलेखों में हेराफेरी कर भूमि की जमाबंदी से संबंधित दस्तावेज तैयार किए गए तथा न्यायालय में भी संदिग्ध कागजात प्रस्तुत किए गए।अंचल अधिकारी अमिता सिंहा द्वारा दर्ज कराए गए आवेदन के अनुसार जांच के दौरान मूल केवाला, उसके हिंदी रूपांतरण तथा न्यायालय में दाखिल दस्तावेजों का बारीकी से मिलान किया गया। इस प्रक्रिया में कई गंभीर विसंगतियां सामने आईं। मूल दस्तावेज और उसके हिंदी अनुवाद में विक्रेता के नाम सहित अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों में अंतर पाया गया, जिससे कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अनुचित लाभ लेने की आशंका मजबूत हुई। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला पदाधिकारी ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया। इस निर्देश के आलोक में आरोपी जशवंत सिंह के खिलाफ फतेहपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि अंचल अधिकारी के आवेदन पर आरोपी लोधवे गांव निवासी जशवंत सिंह के विरुद्ध मामला दर्ज कर दस्तावेजों की सत्यता और पूरे प्रकरण की गहन जांच शुरू कर दी गई है। वहीं अंचल अधिकारी ने कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि और राजस्व अभिलेखों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की जालसाजी, कूटरचना या दस्तावेजी फजीवाड़े को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया

बैजलपुर पंचायत में अतिक्रमण हटाने की तैयारी तेज, प्रशासन ने 48 घंटे का दिया अल्टीमेटम

भागलपुर,(एजेंसी) : जिले के सबौर प्रखंड के बैजलपुर पंचायत में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है।

अंचल अधिकारी सौरभ कुमार, अमीन महादेव दास तथा प्रशासनिक टीम बुधवार को मौके पर पहुंची और अतिक्रमित भूमि का निरीक्षण किया।

इस दौरान थाना अध्यक्ष बिट्टू कुमार कमल के नेतृत्व में पुलिस बल एवं 40 बटालियन के जवान भी मौजूद रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। निरीक्षण के दौरान प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए 48 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया।

अधिकारियों ने कहा कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति सरकारी आदेश की अवहेलना करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

अंचल अधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाकर प्रशासन का सहयोग करें, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। कई अतिक्रमणकारी अपने स्तर से अतिक्रमण हटाने की तैयारी में जुट गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने से आम जनता को सुविधा मिलेगी तथा भविष्य में विकास कार्यों को गति मिलेगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 48 घंटे की समय-सीमा पूरी होने के बाद दो दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू कर दिया जाएगा और पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने तक कार्रवाई जारी रहेगी।

भागलपुर सदर अस्पताल में शुरू हुआ 4 बेड का आईसीयू वार्ड, गंभीर मरीजों को मिलेगी 24 घंटे इलाज की सुविधा

भागलपुर, (एजेंसी) : भागलपुर के मॉडल सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। अब सदर अस्पताल में गंभीर मरीजों के इलाज के लिए चार बेड का आईसीयू वार्ड बनकर तैयार हो गया है।

आईसीयू वार्ड का उद्घाटन बुधवार को सिविल सर्जन अशोक कुमार, सदर अस्पताल प्रभारी डॉ. राजू सहित कई चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की मौजूदगी में किया गया।

इस दौरान सिविल सर्जन अशोक कुमार ने बताया कि पहले सदर अस्पताल में गंभीर मरीजों के आने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर करना पड़ता था। लेकिन अब आईसीयू वार्ड शुरू होने से गंभीर मरीजों को तत्काल सदर अस्पताल में ही इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

उन्होंने बताया कि आईसीयू वार्ड में 24 घंटे डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती रहेगी। जिससे इमरजेंसी स्थिति में मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।इस नई सुविधा से सदर अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

बिहार पुलिस में बड़ा फेरबदल: भरत तिवारी एनकाउंटर केस के आरोपी पूर्व एसडीपीओ राजेश शर्मा को मिली नई पोस्टिंग

पटना, (ईएमएस)। बिहार सरकार ने पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 12 आईपीएस और 53 डीएसपी अधिकारियों का तबादला किया है। इस सूची में भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में आरोपी तत्कालीन जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को भी नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें बिहार पुलिस के मद्य निषेध एवं स्वापक नियंत्रण ब्यूरो में डीएसपी के पद पर तैनात किया गया है। गौरतलब है कि हत्या के मामले में नामजद एफआईआर दर्ज होने के बाद राजेश कुमार शर्मा को सात दिन पहले जगदीशपुर एसडीपीओ के पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध (लाइन हाजिर) कर दिया गया था। उनके स्थान पर पंकज कुमार मिश्रा को जगदीशपुर का नया एसडीपीओ बनाया गया था।

- क्या है भरत तिवारी एनकाउंटर मामला?

यह मामला भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव का है, जहां 17 जून को पुलिस कार्रवाई के दौरान भरत तिवारी की गोली लगने से मौत हो गई थी। परिजनों ने इस मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए आरोप लगाया कि भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था, इसके बावजूद पुलिस और एसटीएफ ने उसे नजदीक से गोली मार दी। घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें भरत तिवारी के आत्मसमर्पण का दावा किया गया। बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर में पांच गोलियां लगने की पुष्टि होने के बाद पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठे और मामला राज्यभर में चर्चा का विषय बन गया।

- हत्या का केस दर्ज, थानेदार भी निलंबित

मामले के तूल पकड़ने पर भोजपुर पुलिस अधीक्षक ने तत्कालीन शाहपुर थानाध्यक्ष राजेश मालाकार को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। एफआईआर के बाद राजेश शर्मा को फील्ड पोस्टिंग से हटाकर पुलिस मुख्यालय भेज दिया गया था।

- नई पोस्टिंग पर उठे सवाल

हत्या मामले की जांच अभी जारी है। ऐसे में एफआईआर दर्ज होने के कुछ ही दिनों बाद आरोपी अधिकारी को नई जिम्मेदारी दिए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस विभाग का कहना है कि यह

छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज व सही बॉडी की दी गई जानकारी

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर आयोजित

गया जी (एजेंसी) : गया जिले के टिकारी प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय केसपा में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर हेल्थ केयर फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर और बिहार स्टेट फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क फिजियोथेरेपी परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

यह शिविर के डॉ अभिनव आनंद के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जागरूक किया गया। शिविर की मुख्य वक्ता एवं कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट, गया की जिला महासचिव डॉ कुमारी आभा रानी ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, सही खानपान, पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज, कमर, गर्दन एवं घुटनों के दर्द से बचाव, सही बैठने, उठने और चलने के तरीके तथा फिजियोथेरेपी की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से सही बॉडी पोश्चर और आवश्यक व्यायाम भी सिखाए।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को निःशुल्क फिजियोथेरेपी परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर सही स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और उचित जीवनशैली अपनाकर अनेक शारीरिक समस्याओं से बचा जा सकता है।विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार सिंह तथा वर्तमान प्रभारी मृत्युंजय कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक आलोक कुमार, फूल कुमारी, सोनी कुमारी, चंदकेत कुमार, सुश्री अनुष्का कुमारी एवं श्रीमती शमा खातून का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी शिक्षकों ने छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग दिया।

श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर डीएम के तेवर सख्त, हाईमास्ट लाइट की लापरवाही पर बिजली अधिकारी को लगाई फटकार

भागलपुर, (एजेंसी) : जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने श्रावणी मेले की तैयारी का जायजा लेने के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर बड़ी संवेदनशीलता दिखाई है।

सुल्तानगंज में निरीक्षण के दौरान डीएम ने अजगैबीनाथ मंदिर के पास लगी हाईमास्ट लाइट को लेकर बिजली विभाग के अधिकारी की जमकर क्लास लगाई। दरअसल डीएम अधिकारियों के साथ सुल्तानगंज पहुंची थीं।

इस दौरान उन्होंने देखा कि अजगैबीनाथ मंदिर के पास लगाया गया हाईमास्ट लाइट श्रद्धालुओं के लिए बनाई गई रेलिंग से सटा हुआ है। इससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को खतरा हो सकता था।

मामला देखते ही डीएम ने बिजली विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी को फटकार लगाते हुए कहा कि हाईमास्ट लाइट नगर परिषद से लगाया गया है, लेकिन इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना बिजली विभाग की भी जिम्मेदारी है।डीएम ने निर्देश दिया कि हाईमास्ट लाइट के निचले हिस्से को जल्द से जल्द कवर किया जाए ताकि कोई भी श्रद्धालु इसकी चपेट में ना आए। साथ ही उन्होंने कार्रवाई पूरी कर रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया।

डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि इधर-उधर घूमने से काम नहीं चलेगा। विद्युत आपूर्ति और बिजली से जुड़े मामलों की जानकारी विभाग के पास सबसे ज्यादा होती है। इसलिए श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बिहार कैबिनेट : बक्सर के वामन मंदिर का होगा विकास, पांच नए केंद्रीय विद्यालय खुलेंगे, 31 बस स्टैंड होंगे आधुनिक

पटना, (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में धार्मिक पर्यटन, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन और तीर्थयात्रा से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में बक्सर स्थित भगवान वामन मंदिर के विकास से लेकर पांच नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना तथा राज्य के 31 बस स्टैंडों के आधुनिकीकरण जैसे अहम निर्णय लिए गए।

कैबिनेट ने बक्सर स्थित केंद्रीय कारा परिसर में अवस्थित भगवान वामन मंदिर के विकास, सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं के लिए सुगम प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। इसके तहत मंदिर परिसर के लिए भूमि को अलग से चिह्नित कर सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही चहारदीवारी का निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा मंदिर परिसर के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

बैठक में राज्य में पांच नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना के लिए प्रत्येक विद्यालय को पांच-पांच एकड़ सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। ये विद्यालय पूर्णिया पूर्व (मधुबनी मौजा, पूर्णिया), राजगीर (पिलखी, नालंदा), शेखपुरा (नीमी), मधेपुरा (साहुगढ़) तथा मधुबनी जिले के राजनगर अंचल के सतिहारपुर मौजा में स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इन विद्यालयों के खुलने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शैक्षणिक संसाधन और बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध होगा।सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से राज्य के 31 बस स्टैंडों के आधुनिकीकरण एवं समग्र विकास को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। इन बस स्टैंडों का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा। योजना में पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गयाजी, दरभंगा, पूर्णिया, मुंगेर, कटिहार, सहरसा, नवादा, मधुबनी और किशनगंज सहित कई प्रमुख जिलों के बस स्टैंड शामिल हैं। इनके आधुनिकीकरण के तहत आधुनिक यात्री प्रतीक्षालय, पार्किंग, व्यावसायिक सुविधाएं, डिजिटल सेवाएं, स्वच्छता और बेहतर यातायात प्रबंधन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उपलब्धि:सीएमआर चावल जमा करने में गया ने रचा कीर्तिमान, राज्य में मिला तीसरा स्थान

94.50 फीसदी लक्ष्य पूरा, 11.17 लाख क्विंटल चावल एसएफसी को मिला

गया जी (एजेंसी) : सरकारी स्तर पर किसानों से खरीदे गए धान के बदले तैयार होने वाले सीएमआर चावल को जमा कराने में गया जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिले ने अब तक 11 लाख 17 हजार 819 क्विंटल सीएमआर बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम (एसएफसी) को उपलब्ध कराकर निर्धारित लक्ष्य का 94.50 प्रतिशत पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ गया जिला पूरे बिहार में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य स्तर पर जमुई पहले, नवादा दूसरे और पटना चौथे स्थान पर है। 31 जुलाई की निर्धारित अंतिम तिथि से पहले जिले की यह प्रगति प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के बेहतर समन्वय को दर्शाती है।सरकारी खरीद अभियान के दौरान गया जिले में किसानों से 17 लाख 28 हजार 960 क्विंटल धान की खरीद की गई थी। इस धान की मिलिंग के बाद लगभग 11 लाख 72 हजार क्विंटल सीएमआर तैयार होना है जिसे पैक्स और संबंधित राइस मिलों के माध्यम से एसएफसी के गोदामों में जमा कराया जा रहा है। अब तक 11.17 लाख क्विंटल चावल जमा हो चुका है और शेष मात्रा भी निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा कराने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। एसएफसी के जिला प्रबंधक दिग्विजय सिंह ने बताया कि सीएमआर जमा करने की प्रक्रिया की डीएम शशांक शुभंकर लगातार निगरानी कर रहे हैं। एसएफसी, सहकारिता विभाग,पैक्स, राइस मिलरों और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के कारण लक्ष्य के करीब पहुंचना संभव हो सका है। कहना है कि शेष चावल भी जल्द जमा कर लिया जाएगा जिससे गया जिला लक्ष्य की शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाले जिलों में शामिल हो सकेगा। इस उपलब्धि से न केवल किसानों से खरीदे गए धान के समयबद्ध निष्पादन को बल मिला है। बल्कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्न की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो रही है। गया जिले से बिहार के दूसरे जिला में भी जरूरत के अनुसार सीएमआर की आपूर्ति दी गई है। राज्य स्तर पर गया की यह सफलता कृषि विपणन, धान अधिप्राप्ति और सीएमआर प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था का उदाहरण मानी जा रही है।प्रशासन का लक्ष्य है कि शेष चावल भी निर्धारित समय से पहले एसएफसी के गोदामों में जमा करा दिया जाए जिससे जिला राज्य में अपनी उत्कृष्ट स्थिति को और मजबूत कर सके।

आरपीएफ ने 10.5 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर को दबोचा

'ऑपरेशन सतर्क' के तहत कोडरमा स्टेशन से 20 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ पकड़ा गया तस्कर

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : आरपीएफ की सतर्कता से कोडरमा रेलवे स्टेशन पर शराब तस्करी की एक कोशिश विफल हो गई। 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के दौरान एक युवक को 10.5 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में प्रधान आरक्षी अरुण कुमार राम, आरक्षी जितेंद्र कुमार एवं राम बाबू यादव प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंधित सामानों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के समीप काले रंग का पिट्ठू बैग लिए एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान गौतम कुमार (24 वर्ष), निवासी भगवानपुर, नरहर विगहा, थाना नालंदा, जिला नालंदा (बिहार) के रूप में बताई। उसके पास रहे बैग की तलाशी लेने पर उसमें दो बोतल रॉयल स्टैग डिलक्स व्हिस्की (750-750 मिली), दो बोतल बकार्डी लेमन (750-750 मिली), चार बोतल रॉयल स्टैग डिलक्स (375-375 मिली) तथा 12 कैन किंगफिशर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर (500-500 मिली) बरामद हुई। जब्त शराब की कुल मात्रा 10.5 लीटर तथा अनुमानित कीमत 7,380 रुपये आंकी गई।उन्होंने बताया कि पूछताछ में युवक ने स्वीकार किया कि वह शराब को बिहार ले जाकर अधिक कीमत पर बेचता था, जिससे उसे अतिरिक्त आमदनी होती थी। बाद में आरोपी और जब्त शराब को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग के हवाले कर दिया गया।

अभाकाम ने डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों को किया सम्मानित

गया जी: अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला इकाई गया के द्वारा डॉक्टर्स डे पर शहर के कई जाने माने चिकित्सकों को सम्मानित किया। महासभा के सदस्यों ने कहा कि चिकित्सक सिर्फ प्रोफेशन के लिए ये काम नहीं करते बल्कि इसके जरिए वो समाज और देश सेवा भी करते हैं। 24*7 त्याग की भावना से एक अभिवावक के रूप में अपने मरीजों को अपने परिवार का एक सदस्य समझकर तबतक ईलाज करते हैं जबतक कि वो पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाता। सदस्यों ने सभी के आवास पर जाकर उन्हें बुक्के और शाल देकर सम्मानित किया जिसमे डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रतन कुमार, डॉ. अमिता सिन्हा, डॉ. पी. के. सिन्हा,डॉ. नवनीत बिहारी शरण, डॉ. अमित कुमार, डॉ. एकता वर्मा आदि प्रमुख रहे। कई डॉक्टर मौके पर उपस्थित नहीं रहें जिन्हें दूरभाष पर सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर महासभा के जिला महामंत्री बिपिन कुमार, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिन्हा,बिष्णु कुमार सिन्हा,धर्मेंद्र प्रसाद, अमरेंद्र कुमार सिन्हा,नवीन बिहारी प्रसाद, अखौरी शैलेंद्र कुमार, किशन राज आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

नागरिकता कानून पर राष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा झटका

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तगड़ा झटका दिया है। ट्रंप ने जन्म सिद्ध नागरिकता को लेकर जो कार्यकारी आदेश जारी किया था, उसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया है। 9 जजों की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया है। 6 जजों ने बहुमत से आदेश को असंवैधानिक माना है। तीन जजों ने ट्रंप के बनाए नियमों को उचित ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा, अमेरिका की धरती में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को जन्म के साथ नागरिकता का अधिकार रहेगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 1868 के 14वें संविधान संशोधन को मान्यता देते हुए यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, भले बच्चों के माता-पिता अमेरिकी नागरिक हों, या ना हों, यदि बच्चे का जन्म अमेरिका की धरती पर हुआ है, तो उसे अमेरिकी नागरिक माना जाएगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से अमेरिका में रह रहे भारतवंशियों एवं अन्य देशों के लोगों को बड़ी राहत मिली है। जब से ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं तब से ही भारतीय समुदाय, अमेरिका में नागरिकता को लेकर काफी परेशान है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का असर भारत मे होना तय माना जा रहा है। 2024 के बाद से भारत में भी चुनाव आयोग के माध्यम से नागरिकता कानून को लेकर जो खेल अमेरिका में खेला जा रहा था, वही खेल भारत मे चुनाव आयोग के माध्यम से खेला जा रहा है। एसआईआर के माध्यम से चुनाव आयोग ने अभी तक 6.50 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। अभी अन्य राज्यों में एसआईआर होना बाकी है। चुनाव आयोग बिना किसी संवैधानिक अधिकार के नागरिकता तय करने और मतदाता सूची से नाम हटाने का काम कर रहा है। यह मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है, नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग को नहीं है। भारत सरकार ने नागरिकता से संबंधित कोई रिकॉर्ड या दस्तावेज तय नहीं किया है। चुनाव आयोग को सरकार और न्यायपालिका का संरक्षण है, जिसके कारण भारत में स्थिति दिन-प्रतिदिन तनावपूर्ण होती जा रही है। चुनाव आयोग को जो अधिकार हैं, उसमें 18 वर्ष से अधिक के जो भी नागरिक भारत में रहते हैं, 6 माह की अवधि से ज्यादा वह जिस स्थान पर निवास करते हैं। उन्हें मतदाता माना जाता रहा है। मतदाता पुनरीक्षण का कार्य हर वर्ष चुनाव आयोग करता है। घर-घर जाकर सर्वे में जिनकी उम्र 18 वर्ष पूरी हो जाती थी

जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।

: अज्ञात

मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ।

: एमर्सन

जहाँ नाक बंद होती है, वहीं स्वच्छ भारत के दावे खुल जाते हैं

स्वच्छता किसी राष्ट्र का श्रृंगार नहीं, उसका चरित्र है। किसी देश की असली पहचान संसद, मेट्रो या एक्सप्रेस-वे नहीं, बल्कि वह सार्वजनिक शौचालय है जहाँ सामान्य नागरिक बिना भय, घृणा या नाक सिकोड़े प्रवेश कर सके। पिछले एक दशक में स्वच्छ भारत मिशन जनांदोलन और विकास का प्रतीक बना, लेकिन बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बाजारों, पार्कों और राजमार्गों के अधिकांश सरकारी शौचालय इस दावे की सबसे कड़वी सच्चाई हैं। वहाँ प्रवेश करते ही पहले नाक, फिर आँखें बंद करनी पड़ती हैं। यह केवल दुर्गंध नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता है जिसने शौचालय बनाना उपलब्धि माना, पर उन्हें स्वच्छ रखना जिम्मेदारी नहीं समझा। स्वच्छ भारत अभियान की असली परीक्षा सार्वजनिक शौचालयों में होती है, और सबसे बड़ी विफलता भी वहीं दिखाई देती है।

यह कहना अन्याय होगा कि स्वच्छ भारत मिशन ने कुछ नहीं किया। इसकी उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं। 2014 में ग्रामीण भारत में शौचालय कवरेज लगभग 39 प्रतिशत था, जो अब सरकारी आंकड़ों के अनुसार 95 प्रतिशत से अधिक हो गया है। 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालय बने, 6 लाख से अधिक गाँव और हजारों शहर ओडीएफ घोषित हुए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बेहतर स्वच्छता से डायरिया से होने वाली मौतें घटीं और लाखों परिवारों का स्वास्थ्य व्यय कम हुआ। यह निश्चित ही बड़ी उपलब्धि है। लेकिन क्या स्वच्छता घर की चौखट पर ही समाप्त हो जाती है? क्या घर से बाहर निकलते ही नागरिक की गरिमा अप्रासंगिक हो जाती है? घरों में शौचालय बनाकर आधी लड़ाई जीती गई, मगर सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली ने इस सफलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया।

यही वह विरोधाभास है जो स्वच्छ भारत मिशन की चमक फीकी कर देता है। जनाग्रह और अन्य संस्थाओं के सर्वे बताते हैं कि बड़े शहरों के अधिकांश सार्वजनिक शौचालय भी पानी, नियमित सफाई, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कई महीनों से बंद पड़े हैं, कई जर्जर हो चुके हैं और अनेक ठेकेदारों की लापरवाही व प्रशासनिक उदासीनता के कारण उपयोग योग्य नहीं बचे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और राष्ट्रीय राजमार्गों के शौचालय यात्रियों की मजबूरी हैं, सुविधा नहीं। यह संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उस सरकारी सोच का परिणाम है जो शौचालय के उद्घाटन को उपलब्धि मानती है, रखरखाव को नहीं। शौचालय बनते हैं, फीते कटते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं, रिपोर्टें बनती हैं और फिर वे धीरे-धीरे गंदगी के हवाले कर दिए जाते हैं।

सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली की सबसे बड़ी कीमत महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग चुकाते हैं। महिलाएँ प्यास से नहीं, उपयोग योग्य शौचालयों के अभाव में घंटों पानी पीने से बचती हैं। लंबी यात्राएँ उनके लिए सुविधा नहीं, चिंता बन जाती हैं। गंदे शौचालय डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-ए सहित अनेक संक्रामक रोगों के केंद्र हैं। विद्यालयों में शौचालयों की कमी और बदहाली के कारण कई लाख लड़कियाँ पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग 98,500 सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यरत शौचालय नहीं हैं। यह केवल शिक्षा नहीं, महिला सम्मान और सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। अधिकांश सार्वजनिक शौचालय आज भी दिव्यांगों के लिए अनुपयोगी हैं। यदि स्वच्छता ही गरिमा है, तो उनकी यह स्थिति हर दिन करोड़ों भारतीयों की गरिमा को ठेस पहुँचा रही है।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत ₹आस्पिरेशनल टॉयलेट₹ योजना शुरू की गई है। करीब 29 हजार आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन कई स्थानों पर परियोजनाएँ अभी अधूरी हैं या रखरखाव की कमी के कारण जल्द खराब हो रही हैं। कहीं परियोजनाएँ अधूरी रहीं, तो बने शौचालय भी रखरखाव के अभाव में जल्द बदहाल हो गए। वजह वही पुरानी है—बजट निर्माण के लिए है, रखरखाव के लिए नहीं; जिम्मेदारी सबकी, जवाबदेही किसी की नहीं। नगर निगम ठेकेदार को, ठेकेदार विभाग को और विभाग बजट को दोष देता है। सार्वजनिक संपत्ति को ₹यह मेरी नहीं₹ मानने की मानसिकता भी गंदगी बढ़ाती है। नतीजा, सार्वजनिक शौचालय उपेक्षा के स्मारक बन जाते हैं।

फिर भी तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। 2022 के डब्ल्यूएचओ-यूनिसेफ आंकड़ों के अनुसार देश में अभी भी करीब 15.7 करोड़ लोग (लगभग 11%) खुले में शौच करते थे, जो बताता है कि यात्रियों और अस्थायी आबादी के लिए पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय अब भी उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी ओर, इंदौर, सूरत और कुछ अन्य शहरों ने साबित किया है कि इच्छाशक्ति, नियमित सफाई, चौबीसों घंटे पानी, तकनीकी निगरानी, सामुदायिक भागीदारी और जवाबदेह प्रबंधन से सार्वजनिक शौचालय स्वच्छ और सम्मानजनक बनाए जा सकते हैं। कई स्वयंसेवी संस्थाएँ और निजी कंपनियाँ भी ₹पे एंड यूज₹ मॉडल से इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। संदेश स्पष्ट है—समस्या संसाधनों की नहीं, प्राथमिकताओं, प्रबंधन और जवाबदेही की है।

अब समय शौचालयों की संख्या नहीं, उनकी गुणवत्ता से सफलता मापने का है। हर सार्वजनिक शौचालय के लिए पृथक रखरखाव बजट, डिजिटल निगरानी, सीसीटीवी, सोलर पावर, वेस्ट रिसाइक्लिंग, चौबीसों घंटे पानी और नियमित सफाई अनिवार्य हों। महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगों की जरूरतों के अनुरूप डिजाइन हर परियोजना का हिस्सा बने। ठेकेदारों की जवाबदेही तय हो तथा नियमित ऑडिट, दंड और समीक्षा व्यवस्था लागू हो। स्थानीय समुदाय को निगरानी में भागीदार बनाया जाए और ₹स्वच्छता मेरी जिम्मेदारी₹ को अभियान नहीं, नागरिक संस्कार बनाया जाए। आखिर, स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय केवल सरकार की नहीं, सभ्य समाज की भी पहचान हैं।

आखिरकार, किसी राष्ट्र की स्वच्छता का असली पैमाना घरों के नहीं, सार्वजनिक शौचालय हैं। जिस दिन कोई नागरिक रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, बाजार या पार्क के शौचालय में बिना भय, घृणा या साँस रोके प्रवेश कर सकेगा, उसी दिन स्वच्छ भारत मिशन अपनी मंज़िल पर पहुँचेगा।

तब तक चमकते आँकड़े सरकारी रिपोर्टों की शोभा बढ़ा सकते हैं, जनता का विश्वास नहीं। अब स्वच्छता को अभियान नहीं, संस्कृति और निर्माण को नहीं, रखरखाव को सफलता का मानदंड बनाना होगा। भारत का नेतृत्व शौचालयों की संख्या नहीं, उनकी स्वच्छता, गरिमा और मानवीय संवेदना तय करेगी। स्वच्छ भारत का सबसे गंदा सच बदले, इसकी शुरूआत हर सार्वजनिक शौचालय से हो।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं।

भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश,आसाम,राजस्थान,मध्यप्रदेश,बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है।

सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते।

उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्लवादा, वफा और विरासतह्न के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं।

इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती। गौरतलब है कि पिछले दिनों राजस्थान सरकार के निर्देश पर राज्य के बाड़मेर व जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में अनेक मस्जिदों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जाहिर है इससे मुस्लिम समाज में भय व शोक व्याप्त हो गया। परन्तु इसके विरोध में भारी संख्या में स्थानीय हिन्दू समाज के पुरुष महिलाएं बुजुर्ग व युवा सभी ने इकट्ठे होकर सर्व धर्म शांति मार्च निकले व सभाएं आयोजित कीं। राजस्थान के हिन्दू समाज ने न केवल इन धर्मस्थलों के ध्वस्तीकरण का विरोध किया बल्कि मुसलमानों के साथ अपनी एकता व एकजुटता का भी प्रदर्शन किया। कई जगह राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन स्थानीय जिला कलेक्टर को सौंपे गए जिसमें सरकार की इस धर्मस्थल ध्वस्तीकरण कार्रवाई का विरोध किया गया। लोगों ने इसे धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा मुद्दा मानते हुए शांति, भाईचारे को कायम रखने और ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। निश्चित रूप से नफरत फैलाने के अफसोसनाक राजकीय प्रयासों के बीच प्रेम,शांति व सद्भाव की ऐसी कारगुजारियां भारतीयता की सच्ची मिसाल पेश करती हैं।

निर्मल रानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7560

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7559 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

दैनिक पंचांग

2 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.26 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	08.42 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.54 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.05 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.19 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.35 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.40 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.27 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.00 बजे से
राहुकाल		मेष	00.30 बजे से
1.30 से 3.00		वृष	02.10 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.08 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 183 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 09.38 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 09.28 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 16.40 बजे को समाप्त।
करण गर 09.38 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872758
जूलियन दिन 2461223.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

वास्तव में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की रही है। आज भारत के अमेरिका, रूस, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोप, जापान और आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ अत्यधिक निकटता दूसरे पक्ष के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। किंतु भारत ने सदैव यह सिद्ध किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करता है। ईरान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया भी अत्यंत संतुलित रही। भारत ने ईरानी दूतावास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की, किंतु किसी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप में स्वयं को शामिल नहीं किया। भारत ने न तो अमेरिका की आलोचना की और न ही इजरायल के विरुद्ध कोई आक्रामक टिप्पणी की। यह वही कूटनीतिक परिपक्वता है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति का मूल आधार ह्लराष्ट्रहित सर्वोपरिह्ल रहा है। इसी कारण भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को कुछ समय के लिए ईरान से तेल आयात रोकना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी कटुता नहीं आई।चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन ह्यबेल्ट एंड रोडह्ल परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है। इजरायल के साथ कृषि, रक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित हुई हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भारत के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। रूस के साथ परंपरागत मित्रता को भी भारत ने मजबूती प्रदान की है। यही नहीं, यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारत ने अपने संबंधों को नई दिशा दी है।

जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस कुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया, उसने विश्व समुदाय को प्रभावित किया। ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल की भावना के साथ भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत केवल अपने हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसकी पड़ोसी नीति भी है। भारत ने सदैव ह्यपड़ोसी प्रथमह्ल की नीति को अपनाया है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने वहां की जनता को मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। भारत ने अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर यह संदेश दिया कि उसका संबंध केवल सरकारों से नहीं, बल्कि वहां की जनता से भी है। कोविड-19 महामारी के दौरान ह्यवैक्सीन मैत्रीह्ल अभियान के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। श्रीलंका जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने उसे खाद्यान्न, ईंधन, दवाइयां और आर्थिक सहायता प्रदान की। नेपाल, भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को भी भारत ने समय-समय पर हरसंभव सहयोग दिया है। यही कारण है कि भारत आज क्षेत्रीय स्थिरता और विकास का प्रमुख आधार बनकर उभरा है।

इसके विपरीत, पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोधी दुष्प्रचार और षड्यंत्रों की नीति अपनाता रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावों तथा हिंसक घटनाओं के लिए भी पाकिस्तान समय-समय पर भारत को दोषी ठहराने का प्रयास करता रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वह अपने आंतरिक संकटों और असफलताओं से ध्यान हटाना चाहता है। वास्तविकता यह है कि भारत ने सदैव क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास का समर्थन किया है। भारत ने कभी भी किसी पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति नहीं अपनाई।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस ने ईरान विरोधी रैली पर रोक लगाई

पेरिस। फ्रांस ने राजधानी पेरिस में प्रस्तावित ईरान विरोधी रैली पर सुरक्षा कारणों से रोक लगा दी है। यह कार्यक्रम ईरान विरोधी संगठन नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस' (एनसीआरआई) की राजनीतिक शाखा द्वारा आयोजित किया जा रहा था लेकिन इसे शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया। ईरान की सरकारी समाचार मीडिया संगठन प्रेस टीवी के अनुसार फ्रांसीसी पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि देश-विदेश में बढ़ते तनाव के बीच इस कार्यक्रम से सुरक्षा जोखिम और हिंसा भड़कने का अंदेशा है। अधिकारियों ने कहा कि हालात "अस्थिर और संवेदनशील" हैं इसलिए रैली की अनुमति नहीं दी जा सकती। एनसीआरआई को ईरान समर्थित संगठन पीपल्स मुजाहिदीन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ ईरान (पीएमओआई/एमकेओ) की राजनीतिक शाखा माना जाता है। ईरान सरकार ने इस संगठन को लंबे समय से आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया हुआ है। सुरक्षा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे रेजा पहलवी के राजशाही समर्थक समूह और पीएमओआई समर्थकों के बीच तनाव बढ़ रहा था। खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई कि यह टकराव हिंसक झड़पों में बदल सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया गतिविधियों और वीडियो में हथियारों के प्रदर्शन और धमकियों का भी उल्लेख था, जिसमें प्रदर्शन को रोकने या निशाना बनाने जैसी बातें सामने आईं। इसी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हस्तक्षेप करते हुए कार्यक्रम पर रोक लगाने का फैसला लिया। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा, बम धमाके की धमकी और सार्वजनिक सुरक्षा पर खतरे को देखते हुए पुलिस ने स्थल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। सुरक्षा समीक्षा में यह भी कहा गया कि विभिन्न ईरान-विरोधी गुटों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कट्टर बयानबाज़ी ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है।इस घटना के बाद फ्रांस में राजनीतिक प्रदर्शन और विदेशी समूहों की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा और निगरानी को और सख्त किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

बलोचिस्तान में गैस कंपनी के छह कर्मचारी अगवा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में कुछ हथियारबंद लोगों ने मारी गैस कंपनी के छह कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने घटना की पुष्टि की है और कहा कि एजेंसियों ने सुरक्षित रहाई के प्रयास शुरू कर दिए हैं। यह वारदात बलोचिस्तान के जरगुन घर पर्वतीय क्षेत्र में स्थित खनन क्षेत्र शबान दलवानी में हुई है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अगवा किए गए गैस कंपनी के कर्मचारियों में जलात खान, मोहम्मद हाशिम, कमाल खान, जहांगीर खान, मोहम्मद अजीम और रोज खान शामिल हैं। अधिकारियों का दावा है कि सभी को जल्द मुक्त करा लिया जाएगा। बलोचिस्तान का यह पर्वतीय क्षेत्र हाल ही में सुरक्षा अभियानों और खनिकों के अपहरण की घटनाओं के साथ आतंकवाद विरोधी अभियानों के कारण चर्चा में रहा है। यह इलाका प्रांत की राजधानी क्वेटा के पूर्व में स्थित एक ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ी क्षेत्र है। हाल ही में यहां एक निजी खनन कंपनी के कई कर्मचारियों का अपहरण हो चुका है। मारी पाकिस्तान की दूसरी सबसे बड़ी गैस उत्पादक कंपनी है। इसका पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार होता है। कंपनी का मुख्यालय इस्लामाबाद और स्वामित्व फौजी फाउंडेशन (40 प्रतिशत) के पास है। इसमें संघीय सरकार और ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) की भी हिस्सेदारी है। मारी गैस कंपनी सिंध प्रांत के घोटकी जिले में स्थित मारी गैस फील्ड का संचालन करती है। कंपनी देश के कुल यूरिया उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराती है।

आईसीएआर पीजी और जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईईईए)-पीजी तथा अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा (एआईसीई)-जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी)-2026 के लिए प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) जारी कर दिए हैं। दोनों परीक्षाएं 4 जुलाई को कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएंगी। एनटीए की ओर से बुधवार को जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार एआईईईए (पीजी) परीक्षा 4 जुलाई को प्रथम पाली में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी, जबकि एआईसीई-जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) परीक्षा उसी दिन द्वितीय पाली में दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। एजेंसी ने बताया कि पात्र अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शहर की अग्रिम सूचना (एग्जाम सिटी इंटिमेशन स्लिप) 25 जून को पहले ही जारी की जा चुकी है। अब उम्मीदवार अपने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग कर आईसीएआर परीक्षा पोर्टल से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एनटीए ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे प्रवेश पत्र में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनका पालन करें। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि एडमिट कार्ड अस्थायी (प्रोविजनल) रूप से जारी किए गए हैं और यह पात्रता की अंतिम स्वीकृति नहीं मानी जाएगी। पात्रता का सत्यापन प्रवेश प्रक्रिया के आगामी चरणों में किया जाएगा। एनटीए ने यह भी कहा कि प्रवेश पत्र डाक के माध्यम से नहीं भेजे जाएंगे। उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड में किसी भी प्रकार का परिवर्तन या छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए तथा भविष्य के संदर्भ के लिए इसकी एक प्रति सुरक्षित रखनी चाहिए। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अभ्यर्थी एनटीए हेल्पडेस्क 011-40759000 या 011-69227700 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा icar@nta.ac.in पर ई-मेल भेज सकते हैं। एजेंसी ने उम्मीदवारों से परीक्षा से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए नियमित रूप से एनटीए और आईसीएआर परीक्षा पोर्टल पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

तृणमूल के नाम और चुनाव चिन्ह विवाद पर गुरुवार को आयोग में सुनवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सियासत में तृणमूल कांग्रेस को लेकर नया विवाद सामने आया है। खुद को असली तृणमूल बताने वाले ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा गुट ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर दावा करते हुए केंद्रीय निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया है। इसी मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को इस गुट को चर्चा के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार, ऋतब्रत गुट का दावा है कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकतर विधायक और नेता उनके साथ हैं। इसी आधार पर उन्होंने हाल ही में दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर अधिकार की मांग की थी। उस समय आयोग ने मामले की समीक्षा करने की बात कही थी। सूत्रों के मुताबिक, समीक्षा के बाद अब चुनाव आयोग ने गुरुवार दोपहर 12 बजे ऋतब्रत गुट को फिर से बुलाया है। इस दौरान आयोग की फुल बेंच के साथ बैठक होगी। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण को लेकर स्थिति जल्द साफ हो सकती है। कुछ दिन पहले कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में ऋतब्रत गुट की बैठक हुई थी। इस बैठक में तृणमूल के 64 बागी विधायक और कुछ पूर्व

पार्षद शामिल हुए थे। इसी बैठक में पार्टी की नई समिति का गठन किया गया था। इसमें ममता बनर्जी को हटाकर अरूप रॉय को पार्टी का चेयरपर्सन बनाया गया। वहीं, अभिषेक बनर्जी को पार्टी से निलंबित करने का भी फैसला लिया गया। इसके बाद ऋतब्रत गुट ने खुद को असली तृणमूल बताते हुए चुनाव आयोग को नई समिति की सूची सौंपी थी। अब इसी आवेदन के आधार पर आयोग ने दोबारा बैठक के लिए बुलाया है। चुनाव आयोग से बुलावा मिलने के बाद बुधवार को ही बागी विधायक दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस मामले में ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग ने गुरुवार को बैठक के लिए बुलाया है। आयोग की फुल बेंच के साथ चर्चा होगी और उनकी ओर से 10 प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

गरीबों और राज्यों के लिए बोझ साबित होगा वीबी जी राम जी अधिनियमः कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी अधिनियम लागू होने पर आरोप लगाया कि इस योजना में केंद्र और राज्य का खर्च का अनुपात 60-40 होने की वजह से यह गरीबों और राज्यों दोनों के लिए बोझ साबित होगी। कांग्रेस सांसद एवं ग्रामीण विकास व पंचायती राज से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष सप्तगिरि उलका ने यहां पार्टी मुख्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मांग आधारित रोजगार देने वाली अधिकार आधारित योजना थी, जबकि नई योजना में राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डाल दिया गया है।

उलका ने कहा कि मनरेगा में केंद्र सरकार मजदूरी लागत का लगभग पूरा बजट देती थी और सामग्री लागत में 60-40 का अनुपात होता था। इससे राज्यों पर कम बोझ पड़ता था, लेकिन वीबी जी राम जी में मजदूरी और सामग्री दोनों की लागत 60-40 अनुपात में रख दी गई है। हरियाणा को 984 करोड़ रुपये के आवंटन में 40 प्रतिशत यानी 393 करोड़ रुपये खुद देने होंगे। इतने खर्च के बाद भी केवल 13.78 दिन का रोजगार मिल रहा है। यदि इसे 125 दिन करना हो तो राज्य को लगभग 5,786 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 125 दिन रोजगार देने का दावा करती है, लेकिन फंडिंग गैप यह साबित करता है कि यह दावा केवल जुमला है। नई योजना में ग्राम सभा की भूमिका समाप्त कर दी गई है और अधिकार अधिकारियों को दे दिए गए हैं। मनरेगा में ग्राम सभा तय करती थी कि काम कहां होना चाहिए। साथ ही, मनरेगा में यदि रोजगार की मांग के बाद 15 दिन में काम नहीं मिलता था तो बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान था, लेकिन वीबी जी राम जी में यह अधिकार भी खत्म कर दिया गया है।

कांग्रेस महासचिव संचार जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने वीबी जी राम जी योजना और मजदूरी दरों को अधिसूचित कर दिया है। मजदूरों को मिलने वाली दैनिक मजदूरी अन्यायपूर्ण रूप से कम है, जो अधिकतर राज्यों में 300 रुपये प्रतिदिन है। जबकि कांग्रेस ने अपने श्रमिक न्याय अभियान में 400 रुपये राष्ट्रीय न्यूनतम दैनिक मजदूरी का वादा किया था। मोदी सरकार की ओर से गठित डॉ. अनुप सतपथी समिति ने 2019 में ही 375 रुपये प्रतिदिन न्यूनतम मजदूरी की सिफारिश की थी।

जयराम रमेश ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और ग्रामीण मजदूरी की ठहराव को आर्थिक विकास की बड़ी बाधा माना जा रहा है। ऐसे समय में मजदूरी दरों को कम रखना न केवल मजदूरों के साथ अन्याय है बल्कि यह गलत आर्थिक नीति भी है। उन्होंने कहा कि वे मनरेगा की वापसी के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करेंगे। मनरेगा का मूल स्वरूप अधिकार आधारित और मांग आधारित था, जिसमें हर हाथ को काम और काम का सही दाम देने का वादा किया गया था।

भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर सख्त कानून बने, दोषियों को मिले मृत्युदंड या आजीवन कारावास

एजेंसी, शिमला

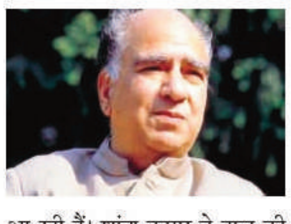

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन दोनों गंभीर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अलग से कड़ा कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों के लिए मृत्युदंड अथवा आजीवन कारावास का प्रावधान किया जाए।

बुधवार को जारी एक बयान में शांता कुमार ने कहा कि देश एक ओर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार और आतंकवाद जैसी चुनौतियां राष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रही हैं। उनका आरोप था कि आतंकवादी गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं और हाल में लाल किले के निकट कार बम विस्फोट की कथित साजिश इसका उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनके अनुसार, इससे युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास कमजोर पड़ रहा है और कई मामलों में मानसिक तनाव जैसी गंभीर परिस्थितियां भी सामने आ रही हैं। शांता कुमार ने हाल की विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लखनऊ में बच्चों की मौत, तिरुपति के प्रसाद में कथित मिलावट तथा राम मंदिर में कथित अनियमितताओं से जुड़ी खबरों ने लोगों की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाए बिना विकास की गति का अपेक्षित लाभ देश को नहीं मिल सकेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि आतंकवाद और बड़े स्तर के भ्रष्टाचार के मामलों के लिए विशेष कानून बनाया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि आजीवन कारावास की सजा पाने वाले दोषियों के लिए उच्च सुरक्षा वाली अलग जेल स्थापित की जाए, जहां उन्हें जीवनभर रखा जाए। शांता कुमार ने कहा कि देश को भ्रष्टाचार और आतंकवाद जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए कठोर कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाना समय की आवश्यकता है।

आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत घूसखोरी मामले में गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को बुधवार को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), दिल्ली में तैनात हैं। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 8 जून को दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर और दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत ने निजी व्यक्तियों से रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े उन मामलों में राहत दिला सकते हैं, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है।

जांच के दौरान सीबीआई ने पहले दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह सहित छह अन्य निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 25 लाख रुपये की ट्रैप राशि बरामद की गई थी। इसके अलावा करीब 90 लाख रुपये नकद तथा कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए थे।

सीबीआई के अनुसार, दीपक गहलावत से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान अनेक डिजिटल उपकरण, हार्ड डिस्क, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और रिश्वतखोरी तथा प्रभाव के दुरुपयोग से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत हरियाणा कैडर के 2012 बैच के अधिकारी हैं। इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए प्रदीप सिंह दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

मध्य प्रदेश ने की 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की शुरुआत : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत कर दी है। मध्य प्रदेश, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने बताया कि दावोस में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश, 24 घंटे हरित ऊर्जा देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए मध्य प्रदेश भवन नई दिल्ली में बुधवार को आयोजित प्री-बिड मीटिंग को राजधानी भोपाल स्थित समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। नई दिल्ली में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव तथा विभिन्न कपंनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

◆ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में आयोजित प्री-बिड मीटिंग को वर्चुअली किया संबोधित

मध्य प्रदेश का ट्रैक रिकॉर्ड सबसे बेहतरः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना ने देश में सबसे कम सौर टैरिफ स्थापित कर भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। शाजापुर-नीमच सोलर पार्कों ने 2.14 रुपये प्रति यूनिट का प्रदेश में सबसे कम टैरिफ अर्जित किया। हाल ही में मुरैना की 4 घंटे की स्टोरेज प्लस परियोजना के लिए 2.70 रुपये प्रति यूनिट पर पीपीए हुआ, यह देश की सबसे प्रतिस्पर्धी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में से एक है।

मध्य प्रदेश है देश का सबसे निवेश मित्र राज्यः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतियाँ, त्वरित निर्णय और उत्कृष्ट अधोसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश-विदेश के निवेशकों से मध्यप्रदेश की ऊर्जा क्रांति के सहभागी बनने का अनुरोध किया।

ऊर्जा में आत्मनिर्भरता है हमारा लक्ष्यः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल परियोजनाएं स्थापित करना नहीं बल्कि हरित ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना राज्य सरकार का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना और सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयास से 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और हरित विकास की दिशा में ऐतिहासिक सिद्ध होगी। नई दिल्ली की प्री-बिड मीटिंग में टाटा पॉवर, रिलायंस एनर्जी, टोरेंट पॉवर, जिंदल रिन्युएबल, एन.टी.पी.सी., अडानी ग्रीन्स, हिन्दुस्तान पॉवर, महिंद्रा सिस्टम आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

292 बेड की अत्याधुनिक कैंसर यूनिट होगी जल्द शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ पूर्वोत्तर को जल्द मिलेगा बोन मैरो ट्रांसप्लांट व अत्याधुनिक कैंसर उपचार

असम के गुवाहटी में देश के पूर्वोत्तर राज्यों का सबसे बड़ा अस्पताल डॉ. भुवनेश्वर बोरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई) में जल्द ही शुरू होने वाली 292 बेड वाली अत्याधुनिक बाल एवं वयस्क हीमेटोलिम्फॉयड कैंसर यूनिट पूर्वोत्तर के हजारों परिवारों के लिए जीवन बदलने वाली है। अब दिल्ली, मुंबई या वेल्लोर जाने की मजबूरी लगभग खत्म हो जाएगी। बोन मैरो ट्रांसप्लांट, उन्नत कीमोथेरेपी, विशेष बच्चों के कैंसर उपचार और आधुनिक आईसीयू जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं अब घर के करीब उपलब्ध होंगी। पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा बोझ वाले ब्लड कैंसर, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा से जूझ रहे मरीजों के लिए यह यूनिट एक नई उम्मीद और राहत का प्रतीक बनकर उभर रही है। प्रधानमंत्री डिवेलपमेंट इनिशिएटिव फॉर नॉर्थ ईस्ट (पीएम-डिवाइन) योजना के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सहयोग से विकसित हो रही इस परियोजना का काम अब अंतिम चरण में है। निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति 78.90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और फिनिशिंग का कार्य जारी है। परियोजना के लिए कार्यादेश 31 मई 2023 को जारी किया गया था। जून तक 33.91 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी थी। संस्थान प्रबंधन का लक्ष्य है कि यह सुविधा तय समयसीमा के भीतर मरीजों के लिए उपलब्ध करा दी जाए।

बीबीसीआई के प्रोफेसर सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और निदेशक (प्रशासन) डॉ. बिभूति भूषण बोरठाकुर ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ बातचीत म कहा कि यह परियोजना पूर्वोत्तर में कैंसर उपचार की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आएगी। नई यूनिट में बच्चों और वयस्कों दोनों के ब्लड कैंसर के इलाज की समर्पित सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू होने के बाद पूर्वोत्तर के मरीजों को उपचार के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी। रोबोटिक सर्जरी, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकों को भी चरणबद्ध तरीके से संस्थान में शामिल किया जा रहा है। यह केंद्र पूरे पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रेफरल सेंटर के रूप में विकसित होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुविधा है। वर्तमान में ब्लड कैंसर और कुछ गंभीर रक्त संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को इस तरह के उपचार के लिए देश के चुनिंदा केंद्रों में जाना पड़ता है। पूर्वोत्तर में इस सुविधा के उपलब्ध होने से मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा और इलाज की सफलता दर में भी सुधार होगा।

अयोध्या प्रकरण में एसआईटी जांच की समय-सीमा बढ़ाई गई

एजेंसी, लखनऊ

◆ एसआईटी को 15 जुलाई तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय से दी गयी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में पहली एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें आठ नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया था। सभी नामजद अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

कानपुर-कबरई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड राजमार्ग को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भोपाल-कानपुर आर्थिक गलियारे के एक महत्वपूर्ण खंड के रूप में 117.7 किलोमीटर लंबे कानपुर-कबरई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। चार लेन का एक्सेस-कंट्रोल्ड गलियारे की अनुमानित लागत 7145.14 करोड़ रुपये है। इसे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित करने की व्यवस्था भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को इस परियोजना को मंजूरी दी। इस परियोजना को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बीओटी (टोल) मोड पर कार्यान्वित किया जाएगा। साथ ही एनएच-34 के मौजूदा कानपुर-कबरई खंड का संचालन और रखरखाव भी किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसे 80-100 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। कॉरिडोर कानपुर और कबरई के बीच यात्रा समय को 3.5 घंटे से घटाकर 1.5 घंटे (58 प्रतिशत) कर देगा। साथ ही सड़क सुरक्षा में सुधार करेगा, वाहन परिचालन लागत को कम करेगा और यात्री एवं माल यातायात की कुशल आवाजाही को सुगम बनाएगा। परियोजना कानपुर और कबरई के बीच निर्बाध, उच्च गति की कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। साथ ही सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों तक आगे की

कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। इससे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों को मध्य प्रदेश के खनिज-समृद्ध, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों से जोड़ने वाला एक आधुनिक पहुंच नियंत्रित आर्थिक गलियारा बनेगा और इस प्रकार इसमें सुधार होगा।

यह परियोजना एनएच-34, एनएच-35, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, कानपुर रिंग रोड और राज्य राजमार्ग एसएच-46, एसएच-91, एसएच-10बी और एसएच-42 के साथ रणनीतिक संपर्क भी प्रदान करेगी, जिससे क्षेत्रीय राजमार्ग नेटवर्क के साथ एकीकरण मजबूत होगा। यह कॉरिडोर कबरई खनन क्षेत्र से संपर्क को और मजबूत करेगा, खनिजों, औद्योगिक वस्तुओं, निर्माण सामग्री और कृषि उत्पादों की आवाजाही में सुधार करेगा, जिससे रसद दक्षता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, यह परियोजना 16 आर्थिक नोड से कनेक्टिविटी में सुधार करेगी, जिनमें उन्नाव, बंथर, पंखी, रनिया, जैनपुर, रूमा, चकेरी, सुमेरपुर और भूरागढ़ औद्योगिक क्षेत्र, ट्रांस गंगा इंटीग्रेटेड टाउनशिप, ग्रोथ सेंटर जयपुर, कानपुर नगर नोड और बंगाल केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड शामिल हैं। यह 9 सोशल नोड, अर्थात् फतेहपुर, महोबा, कानपुर जूलॉजिकल पार्क, बुद्ध पार्क, जेके मंदिर और जेके मंदिर से कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगी। गार्डन, राधा कृष्ण मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, गोपेश्वर मंदिर और महोबा पर्यटक स्थल, और 10 लॉजिस्टिक नोड, जिनमें कानपुर, घाटमपुर, हमीरपुर, महोबा, कबरई, भरवा सुमेरपुर और बांदा रेलवे स्टेशन, साथ में कानपुर, चकेरी और खजुराहो हवाई अड्डे शामिल हैं।

कुल मिलाकर, पीएम गतिशक्ति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए बुंदेलखंड और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में रसद प्रतिस्पर्धात्मकता, औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास में सुधार करना इसका लक्ष्य है। इस परियोजना से निर्माण के दौरान प्रति लेन प्रति किलोमीटर लगभग 11,188 प्रत्यक्ष और 13,985 अप्रत्यक्ष मानव-दिवस रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2028 तक इसकी वार्षिक औसत दैनिक यातायात (एएडीटी) लगभग 18,069 यात्री कार इकाइयों (पीसीयू) तक पहुंचने का अनुमान है, जो इसके दीर्घकालिक आर्थिक, रसद और परिवहन महत्व को दर्शाता है। इस प्रकार प्रस्तावित परियोजना से लगभग 1.2 करोड़ मानव-दिवस प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा।

ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर काफी खुश हैं निरहुआ

निरहुआ सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।'
अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'
अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है।

22 साल बाद अक्षय के साथ काम करने पर बोलीं रवीना टंडन

रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, लंबे वक्त से दोनों ने साथ में कोई फिल्म नहीं की थी। दो दशक बाद इन्हें बड़े परदे पर देखा गया है।अभिनेत्री ने खिलाड़ी के साथ रीयूनियन को लेकर बात की और उन्होंने एक्टर के मेहनती रवैये की दिल खोलकर तारीफ की। रवीना टंडन ने समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की। रवीना ने अक्षय को सेट पर सबसे मेहनती और समर्पित कलाकारों में से एक बताया। अपने पुराने साथ काम करने के अनुभवों को याद करते हुए रवीना ने कहा कि इतने वर्षों के बाद भी अक्षय का काम के प्रति समर्पण और काम करने का तरीका बिल्कुल वैसा ही है।

वे सफलता के हकदार हैं

रवीना टंडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने वर्षों बाद उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। वे आज भी उतने ही मेहनती हैं। वही डेडिकेशन है। काम में इतने डूबे रहते हैं कि उनकी मेहनत साफ दिखती है। उन्हें जो भी सफलता मिलती है, वह उसके हकदार हैं, क्योंकि वह सच में उसके लिए मेहनत करते हैं। उन्हें यह आसानी से नहीं मिलती'।

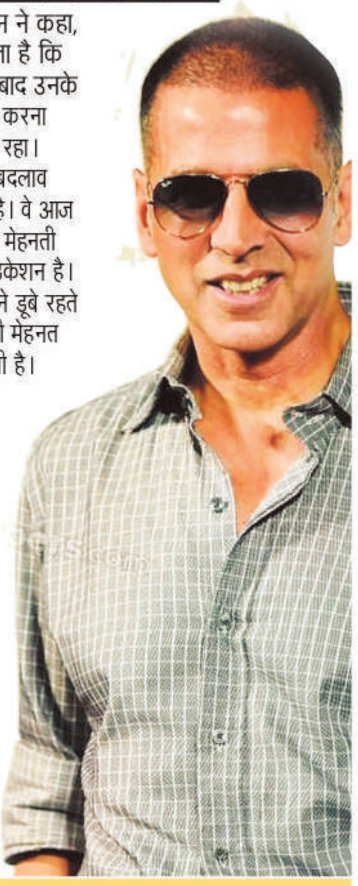

अक्षय और रवीना की फिल्में

रवीना और अक्षय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'दावा', 'कीमत- दे आर बैक' और 'बारूद' आदि शामिल हैं। इस जोड़ी की 'मोहरा' और 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रहीं। 'मोहरा' 1994 में रिलीज हुई थी। इसे राजीव राय ने डायरेक्ट किया था और इसमें नसीरुद्दीन शाह और सुनील शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' 1996 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रेखा भी मुख्य भूमिका में थीं। इन दोनों ने आखिरी बार 2004 में 'पुलिस फोर्स - एन इनसाइड स्टोरी' और 'आन' फिल्मों के लिए साथ काम किया था।

नेपोटिज्म पर बोलीं कृति सेनन

कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है और कृति के किरदार व एक्टिंग की भी काफी तारीफ हो रही है। मौजूदा वक्त में कृति इंडस्ट्री की टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं। लेकिन एक आउटसाइडर होने के नाते कृति के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा।
कृति ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह सफर आसान नहीं था। ऐसे पल भी आए जब मुझे खुद पर शक हुआ और मनचाहे मौके न मिलने पर निराशा हुई। यह सफर सीधे कामयाबी तक पहुंचने वाला नहीं था; यह धीरे-धीरे आगे बढ़ा। मैंने उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन मुझमें हार न मानने और दोबारा कोशिश करने का जज्बा भी रहा है। मेरा पहला फोटोशूट बहुत बुरा रहा था। मेरा पहला रैंप शो भी अच्छा नहीं हुआ था। दोनों बार मैं रोते हुए घर लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद मैंने दूसरे शो, दूसरे फोटोशूट और दूसरे ऑडिशन के लिए कोशिश की और इसी वजह से मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। सीखने की चाहत और हार न मानने का जज्बा ही मुझे यहां तक ले आया है।

टैलेंटेड हैं रणबीर और आलिया

इस दौरान कृति ने नेपोटिज्म के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि भले ही स्टार किड्स को भी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसे एक्टर्स की तरह खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि उन्हें अक्सर बाहरी लोगों की तुलना में बहुत आसानी से मौके मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार आपको पता चलता है कि किसी फिल्म के लिए आप पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वह रोल किसी और को मिल जाता है। साथ ही सवाल सिर्फ नेपोटिज्म का नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले कई एक्टर्स सच में टैलेंटेड होते हैं। चाहे रणबीर कपूर हों या आलिया भट्ट, उन्होंने खुद को साबित किया है। हो सकता है कि उन्हें दूसरों के मुकाबले आसानी से मौके मिले हों, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की है और वे बहुत टैलेंटेड हैं। असल बात तब होती है, जब कोई बिना एक्टर के तौर पर खुद को साबित किए आठ या नौ साल तक मौके पाता रहता है। मुझे बस यही बात गलत लगती है। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो अगर आप शुरुआती कुछ साल में खुद को साबित नहीं कर पाते, तो आप बाहर हो जाते हैं। आपको नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर शुभांगी अत्रे अपने अनुभव साझा किए

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है।

शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।''
सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे-धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।'' उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''

...अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं

'कोई... मिल गया', 'जोड़ी नंबर 1', 'इंडियन', 'रक्त' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी ने अपना 54वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर उन्होंने बात की और अपनी जिंदगी, करियर, फिटनेस और बदलते मनोरंजन जगत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला समय उनके लिए काफी खास रहने वाला है और दर्शकों को जल्द ही उनका एक नया रूप देखने को मिलेगा।

जब उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई ऐसा अनुभव रहा है, जिसने सब कुछ बदल दिया हो, तो रजत बेदी ने कहा, ''मुझे इस साल ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदलने वाला है। अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, आने वाले समय में उनसे बिल्कुल अलग भूमिकाएं करने वाला हूं। कुछ ऐसे सपने थे जिन्हें मैं पहले पूरा नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें साकार करने का मौका मिल रहा है। मेरा वादा है कि आने वाली फिल्मों में दर्शकों को एक बिल्कुल अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा।''
अभिनेता ने कहा, ''इस समय मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बहुत ऊंचा है और मेरे भीतर काम को लेकर एक नई ऊर्जा है। पहले मैंने इंडस्ट्री में कुछ मौके खोए थे, लेकिन अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं।''
इंडस्ट्री में करियर बनाने आ रहे नए कलाकारों को सलाह देते हुए रजत बेदी ने कहा, ''किसी को भी लोगों की बातों में नहीं आना चाहिए। इंसान को हमेशा अपने दिल की सुननी चाहिए। एक समय ऐसा था, जब मैं दूसरों की बातों में आकर खुद को मायूस करने लगता था। अब मैंने सीख लिया है कि जीवन में सबसे जरूरी अपनी सोच और अपने दिल की आवाज पर भरोसा करना है। मैं भविष्य में वही करूंगा, जो मेरा दिल कहेगा और दूसरों की राय को खुद पर हावी नहीं होने दूंगा।''
रजत बेदी ने युवाओं को स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए रोजाना व्यायाम करें और अपने खानपान पर खास ध्यान दें। भोजन में पौष्टिक और स्वस्थ चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने जीवन और करियर में बेहतर ध्यान दे पाएगा।'

बेहद साफ दिल के इंसान हैं संजय दत्त

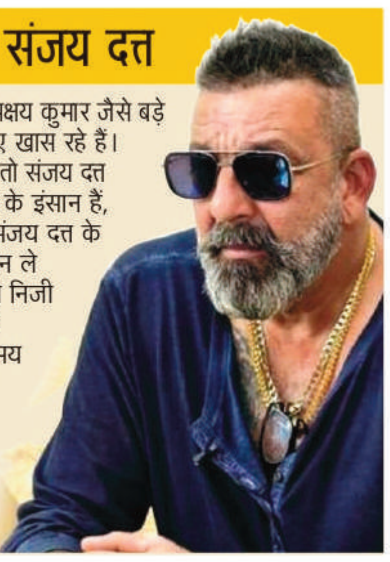

रजत कहा 'मैंने सलमान खान, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है, और ये सभी मेरे लिए खास रहे हैं। लेकिन अगर सबसे पसंदीदा कलाकार की बात करें तो संजय दत्त का नाम सबसे ऊपर आता है। वह बेहद साफ दिल के इंसान हैं, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है। संजय दत्त के साथ बिताए गए पल आज भी मेरे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।' सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की निजी जिंदगी पर लगातार नजर रखे जाने के सवाल पर रजत बेदी ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आज के समय में सितारों की निजी जिंदगी पहले के मुकाबले काफी कम रह गई है। अब लगभग हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है। ऐसे में कोई भी छोटी या बड़ी बात बहुत जल्दी इंटरनेट पर पहुंच जाती है और लोगों के बीच फैल जाती है।